राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 11 जून 2025

वर्ष 16, अंक 41, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

इंदौर की सोनम मेघालय से लापता, गाजीपुर से बरामद.....03

नई कॉलोनी के नाम पर खेतों में रातों रात खिंच जाती हैं विद्युत लाइन.....04

सोनम ने कहा- 20 लाख दूंगी पर राजा को मारना होगा

राजा मर्डर फीस- हत्या वाले दिन मुकर गए थे किलर

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली/शिलॉन्ग- राजा रघुवंशी की हत्या का मामला जितना आगे बढ़ रहा है, उतनी ही चौंकाने वाली परतें खुल रही हैं। अब इस केस ने एक नया मोड़ ले लिया है जहां मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी पर हत्या की साजिश रचने और इसके लिए पैसे देने का गंभीर आरोप सामने आया है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने जो खुलासे किए हैं, उनसे पूरी कहानी खौफनाक रूप लेती जा रही है।

थक गए थे आरोपी, सोनम ने पैसों का लालच देकर उठाया कदम

पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना वाले दिन आरोपी पहाड़ी क्षेत्र में चलने के कारण बेहद थक गए थे और राजा को मारने से पीछे हटने लगे थे। तभी सोनम ने उन्हें 20 लाख रुपये का प्रलोभन देकर हत्या को अंजाम देने के लिए फिर से राज़ी किया। यही नहीं, उसने तुरंत राजा के पर्स से 15,000 रुपये नकद निकालकर उन्हें एडवांस के तौर पर भी दे दिए। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि घटना के दिन जब वे पहाड़ी इलाके में लगातार चलने से थक गए और राजा रघुवंशी की हत्या करने से पीछे हटने लगे, तो सोनम रघुवंशी ने उन्हें 20 लाख रुपये देने का वादा किया। पैसे का लालच इतना तगड़ा था कि उन्होंने तुरंत ही फैसला बदल लिया। यही नहीं, सोनम ने राजा के पर्स से 15,000 रुपये निकालकर मौके पर ही उन्हें एडवांस के तौर पर थमा दिए, ताकि वे पीछे न हटें और हत्या को अंजाम दें।

शिलॉन्ग ट्रिप बना हत्या की पटकथा का मंच

जांच में यह बात भी स्पष्ट हुई है कि सोनम पहले से ही इस हत्या की योजना बना चुकी थी। शिलॉन्ग ट्रिप सिर्फ एक बहाना था – असली मकसद राजा को एक सुनसान जगह पर ले जाकर हत्या को अंजाम देना था। पैसे का लालच, एडवांस कैश और लोकेशन प्लानिंग, सबकुछ बेहद सोचे-समझे ढंग से किया गया था।

डिजिटल सबूतों से बन रही है साजिश की पूरी तस्वीर

अब पुलिस की नजर उन डिजिटल सुरागों पर है जो इस जघन्य अपराध की गहराई को उजागर कर रहे हैं। कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR), बैंक ट्रांजैक्शन और मोबाइल लोकेशन डेटा की मदद से पुलिस उन सभी कड़ियों को जोड़ने की कोशिश कर रही है जो इस हत्या के पीछे छिपे असल मकसद और लोगों को सामने ला सके। पुलिस को पांच ऐसे मोबाइल नंबर मिले हैं जो इस साजिश से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं – राजा रघुवंशी, सोनम रघुवंशी, आनंद कुर्मी, आकाश राजपूत, और विशाल उर्फ विक्की ठाकुर। इन नंबरों की गतिविधियां मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय पाई गई हैं।

प्रेमी के जरिए होती रही साजिश की मॉनिटरिंग

सूत्रों का कहना है कि सोनम अपने प्रेमी राज कुशवाहा से लगातार संपर्क में थी और उसे अपनी लोकेशन भी भेज रही थी। यही लोकेशन बाद में अन्य आरोपियों – आनंद, आकाश और विशाल – तक भी साझा की जाती थी। राज कुशवाहा भले ही इंदौर में मौजूद था, लेकिन लोकेशन और कॉल डेटा से साफ है कि वह इस पूरे ऑपरेशन का अहम हिस्सा था।

पुलिस अब तक की सबसे मजबूत कड़ी जोड़ने में जुटी

इस समय मेघालय और उत्तर प्रदेश पुलिस मिलकर आरोपियों की भूमिका, आर्थिक लेन-देन, और कॉल रिकॉर्ड्स की गहन जांच कर रही हैं। जांच का फोकस अब यह जानने पर है कि क्या इस हत्या में और भी लोग शामिल थे या यह केवल इन्हीं कुछ लोगों की साजिश थी।

राहुल गांधी के बयान पर गरमाई राजनीति, कांग्रेस ने कहा - 'मोदी इज इंडिया' की सोच लोकतंत्र के खिलाफ

स्वतंत्र प्रभात

कांग्रेस ने राहुल गांधी के बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमले के बाद बुधवार को पलटवार किया और कहा कि सत्तापक्ष की यह सोच गलत है कि "नरेन्द्र मोदी भारत हैं और भारत नरेन्द्र मोदी है।" पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह दावा भी किया कि मौजूदा सरकार की विदेश नीति 'सरेंडर नीति' बन गई है। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में "सरेंडर" (आत्मसमर्पण) संबंधी टिप्पणी कर सशस्त्र बलों का अपमान करने का बुधवार को आरोप लगाया और कहा कि यह 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को कमतर आंकने के समान है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस नेता ने पड़ोसी देश के समर्थन में बोलने के मामले में पाकिस्तानी सेना प्रमुख, उसके प्रधानमंत्री और वहां के आतंकवादी सरगनाओं को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के कटाक्ष एक "बीमार और खतरनाक मानसिकता" को दर्शाते हैं। खेड़ा ने संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''भाजपा के लोग पिछले 11 साल से 'मुकद्दर का सिकंदर' फिल्म बना रहे थे, लेकिन जब फिल्म बनकर तैयार हुई तो वह निकली 'सरेंदर का सरेंडर'।"

उन्होंने दावा किया, "बहादुरी का कोई इंजेक्शन नहीं होता, बल्कि वह इंसान के चरित्र में होती है। भाजपा-आरएसएस के लोगों का इतिहास ही कायरता का रहा है। जब ऐसा व्यक्ति देश की बागडोर संभालता है तो देश का भविष्य खतरे में आ जाता है, जो हम वर्तमान में देख भी रहे हैं।" खेड़ा ने कहा, "जब बहादुर भारतीय सेना ने पाकिस्तान की गर्दन दबोच रखी थी, तभी ट्रंप का एक फोन आया और नरेन्द्र मोदी 'सरेंडर' कर गए। ट्रंप ने कई बार कहा कि हमने व्यापार की धमकी देकर सीजफायर कराया, लेकिन नरेंद्र मोदी

ने आज तक ट्रंप का जवाब नहीं दिया। ये जवाब देंगे भी नहीं, क्योंकि 'नाम नरेन्द्र, काम सरेंडर', यह असलियत है।" उन्होंने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा, "जो लोग कह रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी के सरेंडर का मतलब है, भारत का सरेंडर करना... वो ठीक से समझ लें, यह देश 140 करोड़ लोगों का है, ये सबका उतना ही है, जितना नरेन्द्र मोदी का है। खेड़ा ने कहा, "यह सोच गलत है कि 'मोदी इज इंडिया', इंडिया इज नरेन्द्र मोदी' (नरेन्द्र मोदी भारत हैं और भारत नरेन्द्र मोदी है)" उन्होंने कहा, ''हम पिछले एक महीने से पूछ रहे हैं कि देश के आत्मसम्मान के साथ यह सौदा क्यों हुआ, संघर्षविराम आखिर किन शर्तों पर किया गया और हाफिज सईद, अजहर मसूद जैसे आतंकी कहां हैं?" लेकिन हमें पिछले एक महीने से जवाबों की जगह सिर्फ सस्ते डायलॉग सुनने को मिल रहे हैं।" कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि यह देश और सेना मजबूत हैं, लेकिन प्रधानमंत्री और उनकी सरकार "कायर" हैं। खेड़ा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल के कार्यकाल में हर बार उनका 'सरेंडर' ही देखने को मिला है। उन्होंने कहा, "वह कहते थे कि काला धन लाएंगे, बेरोजगारी हटाएंगे, किसानों की आमदनी दोगुनी कर देंगे, चीन को लाल आंखें दिखाएंगे, लेकिन सरेंडर कर बैठे। चीन के नाम पर ऐसा हाल हो जाता है कि मुंह खोलते ही क्लीनचिट दे देते हैं। चीन का नाम ले नहीं पाते और पूर्वोत्तर के लोगों के रंग -रूप का मजाक उड़ाते हैं, गणेश जी का अपमान करते हैं।" उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र बनें, सरेंडर न करें।"

PM आवास में चल रहा होटल, पुलिस ने की छापेमारी तो खुला राज...कुछ कपल भी पकड़े

स्वतंत्र प्रभात

कुशीनगर- प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य गरीबों के लिए छत उपलब्ध कराना है लेकिन कुशीनगर में इस योजना के तहत बने आवास में होटल चल रहा है। जिला नगरीय विकास प्राधिकरण द्वारा पीएम आवास योजना शहरी के अंतर्गत इस घर का निर्माण हुआ है। पहले तो इस घर को बनने में तकरीबन 5 साल लग गए, दूसरा इस मकान को दो मंजिला बना कर इसमें होटल का व्यवसाय हो रहा है जो कि डूडा द्वारा कराए गए इस निर्माण कार्य का कच्चा चिट्ठा खोल रहा है। कुशीनगर नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 21 कृष्णा नगर में प्रधानमंत्री

आवास योजना शहरी के अंतर्गत संगीता के नाम से एक आवास का 29 जून 2021 को आवंटित हुआ। डूडा के माध्यम से पांच चरणों में होने वाले इस निर्माण कार्य का पहला चरण नॉट स्टार्टेड में 28 सितंबर 2021 को?50000 के पहले भुगतान के साथ शुरू हुआ। दूसरे चरण फाउंडेशन का फोटो 23 नवम्बर 2021 को अपलोड हुआ और डेढ़ लाख रुपए का दूसरा भुगतान किया गया। तीसरे चरण लिंटर्ड का फोटो ढ़ाई साल बाद 18 जुलाई 2024 को अपलोड हुआ। वहीं, चौथे चरण रूफ का फोटो 20 जुलाई 2024 और 5वें चरण कंप्लीट का फोटो 23 जुलाई 2024 को लिया गया। इस प्रकार देखा जा सकता है कि शेष तीनों चरण लिंटर्ड, रूफ और कंप्लीट 5 दिनों के भीतर ही पूरा हुए। सिर्फ इतना ही नहीं यह आवास ऐसे परिवार को आवंटित हुआ है जो इस पर दो मंजिला होटल सूर्या पैलेस का व्यवसाय कर रहा था। इसका खुलासा तब हुआ जब इस होटल में गोरख धंधा की होने की शिकायत पर पुलिस ने छापा डाला। इस छापेमारी में कुछ कपल्स गिरफ्तार हुए थे। इस पूरे प्रकरण ने जिला नगरीय विकास अभिकरण के पारदर्शिता को सामने ला दिया है। इस पर जब जिलाधिकारी से बात की गई तो डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि इसमें जो भी दोषी होंगे उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। सवाल यह है कि जनपद में नगर क्षेत्र में ही तमाम ऐसे परिवार मिलेंगे जिन्हें प्रधानमंत्री आवास की अत्यंत आवश्यकता होगी, लेकिन कहीं ना कहीं उन्हें दरकिनार कर ऐसे पात्र व्यक्ति को पीएम आवास का लाभ दिया गया जो कि इसका दुरुपयोग करते नजर आ रहा है। अब देखना है कि जांच के बाद विभागीय अधिकारियों पर क्या कार्यवाही होती है।

संक्षिप्त ख़बरें

अधूरा सड़क कार्य होने से ग्रामीणों में रोष

मोहम्मदी खीरी। तहसील मोहम्मदी ग्राम पंचायत बरखेरा गाँव शंकरपुर पोस्ट मूँड़ागालिब की जहां 5 वर्ष पूर्व एक 1800 मीटर रोड का निर्माण कार्य हुआ था जो रास्ता गाँव के बाहर होकर सुखदेव सिंह के घर तक था फिर हुआ ये की सुखदेव सिंह के घर के आगे कुछ रास्ता छूट रहा था जोकि नक़्शे में नही था उस रास्ते तक कोलतार रोड करवाने के लिए गाँव के बीच में 80 मीटर रास्ते को छोड़ दिया गया और रास्ता तैयार हो गया अब जो रास्ता छूट गया था वहां पर बारिश के समय निकालना मुश्किल हो जाता हैं। प्रशासन से अपील करता हूँ बीच में जो रास्ता छूटा पड़ा हैं उसका निर्माण कार्य करवाने की मांग की है।

कारीगर प्रशिक्षण को 30 जून तक करें आवेदन

मथुरा। जिला उद्योग केन्द्र के उपायुक्त रामेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रदेश के दस्तकारों एवं पारम्परिक कारीगरों के विकास के उद्देश्य से संचालित प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत जनपद में वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु पारम्परिक कारीगरों जैसे बढ़ई, नाई, दर्जी, लोहार, धोबी, राजमिस्त्री एवं हलवाई के कार्य से जुडे व्यक्तियों से उक्त समस्त ट्रेडों में 10 दिवसीय निरूशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र 30 जून तक आमंत्रित किये जाते है। कोई भी कारीगर विभाग की बेवसाइट पर ऑनलाईन आवेदन 30 जून तक कर सकता है। आवेदन के साथ आवेदक का पासपोर्ट साईज फोटो, बैंक पासबुक की फोटो, आधार कार्ड की फोटो, जाति प्रमाणपत्र (जहां लागू हो), आयु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाणपत्र, सम्बन्धित ट्रेड में पारम्परिक कारीगरी से जुड़े होने के सम्बन्ध में प्रमाण पत्र (राम्बन्धित पार्षद, ग्राम प्रधान से प्रमाणित), 10 रुपये के स्टाम्प पेपर पर इस आशय का शपथपत्र, कि आवेदक या उसके परिवार के किसी अन्य सदस्य द्वारा पूर्व में किसी भी प्रशिक्षण योजनान्तर्गत टूलकिट, मानदेय का लाभ प्राप्त नही किया गया है। कोई भी अभ्यर्थी किसी भी कार्यदिवस में अधिक जानकारी के लिए उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, महोली रोड, ओद्योगिक क्षेत्र, मथुरा में सम्पर्क कर सकता है।

खनन माफियाओं को खनन की खुली छूट

● बेखौफ खनन माफिया तहसील गोला से लगा हुआ बंद ईट उद्योग की पटाई के बाद मानकहीन ढंग प्लाटिंग

तहसील प्रशासन गोला के सामने गोरखधंधा जारी है जिसमें तमाम वह जमीन भी बेनामी से नामी बनाने व सरकारी भूमि की बिक्री का खेल जारी है

स्वतंत्र प्रभात

गोलागोकर्णनाथ खीरी। जनपद में तहसील गोला प्रशासन सरकारी भूमि की सुरक्षा करने में नाकाम साबित हो रहा है। तहसील गोला से लगा हुआ बंद ईट उद्योग जिसमें पहले से तमाम बेनामी व सरकारी भूमि जो कि बहुमूल्य कीमती है उसकी बिक्री की तैयारी है इसके अलावा खनन करता बेखौफ होकर तहसील गोला प्रशासन के सामने खनन के बाद 75 बीघा भूमि की अवैध पटाई चालू है ।बताते चलें कि मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश का नजदीकी भाजपा नेता जिलाधिकारी खीरी पर भारी नजर आ रहा है जिसके चलते उप जिला अधिकारी गोला और तहसीलदार गोला के सामने खुलेआम बेखौफ होकर पहले अवैध खनन के बाद 75 बीघा की पटाई जिसके बाद समतली करण का काम चल रहा है। उपरोक्त बंद ईट उद्योग के भूभाग में चकमार्ग बराबर, नाला नाली बराबर, नवीन परती भूमि, बेनामी भूमि को नामी बनाने के बाद ईट उद्योग मालिक ने सीलिंग अधिनियम से बचने के लिए तमाम भूमि पहले ही बिक्री कर चुका है अब इस बंद ईट उद्योग के मालिकों ने 75 बीघा भूमि को बगैर रजिस्ट्री कराए ही बिक्री किए जाने की चर्चा है।

कुछ महत्वपूर्ण बिंदु....!!

1.उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नजदीकी भाजपा नेता ने बगैर रजिस्ट्री के बंद ईट उद्योग में अवैध व मानक विहीन आवासीय कालोनी को बसाने की तैयारी चल रही है।2. इस ईट उद्योग के बंद होने के बाद से लगभग सेकडों डम्पर मिट्टी, सेकडों डम्पर चीनी मिल की काली राख से पटाई की जा चुकी है और सुबह से शाम तक खुलेआम मिट्टी का खनन का गोरखधंधा जारी है।3.तहसीलगोला से लगा हुआ ईट उद्योग है इस बंद उद्योग की मिटटी पटाई व काली राख सेनागरिकों के अमन चैन में बाधा पहुंची है और वह परेशान है पर दबंग व भाजपा नेता से कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं पर उनके अंदर ही अंदर गुस्सा है जोकि भाजपा के लिए आने वाले चुनाव में वह अपना गुस्सा निकाल कर भाजपा को पराजित करने के लिए रणनीति तैयार कर रहे हैं।4. तहसीलगोला में आजकल कानून व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित है खुलेआम मानक विहीन ढंग से कार्य चल रहा है। सरकारी जमीन की खुलेआम बिक्री चल रही है। गाटा संख्या रकबा तथा ट्रांसफर नंबर वाली दोनों भूमि पर दबंगों का अवैध कब्जा है।5.जिलाअधिकारी खीरी के आगमन के बाद सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा व बिक्री का खेल जारी है तहसील गोला के चारों तरफ सरकारी भूमि है जिसकी बिक्री हो चुकी है वह

अलग की बात कुछ तहसील के सामने वाली भूमि तालाबंदी का शिकार है। 6.मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नजदीकी भाजपा नेता ने ऐलानिया उन लोगों को धमकी दी है कि दैनिक समाचारपत्र में सोसल मीडिया पर कोई बंद ईट उद्योग से संबंधित खबर चलाई गई तब उसको खामियाजा भी भुगतना पड़ेगा।7. मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को अवगत कराया गया है कि आप की उज्जवल छवि को आप के नजदीकियों द्वारा धूमिल किया जा रहा है अगर आप जांच के लिए लखनऊ से टीम बनाकर भेजे और इसकी निष्पक्ष जांच कराने के बाद कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दे ताकि आप की उज्जवल छवि को दागी बनाने वाले अधिकारियों व भाजपा नेताओं को सबक सिखाया जा सके।

घटिया सामग्री लगाकर कराया जा रहा नाली निर्माण कार्य

● ग्राम पंचायत खंजन नगर में जिला पंचायत से बनवाए जा रही नाली में मानकों की अनदेखी के आरोप

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी के विकासखंड मितौली की ग्राम पंचायत खंजन नगर में जिला पंचायत द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर घटिया सामग्री का उपयोग करने का गंभीर आरोप लगाया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, अनूप कुमार पांडेय के मकान से नहर तक बन रही नाली में मानकों की अनदेखी की जा रही है। ठेकेदार की मनमानी के कारण निर्माण कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने और दोषी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया जा रहा है और यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में नाली का निर्माण काम नहीं आएगा।

नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती को लेकर 12 वाँ दिन आयोग के सामने प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती को लेकर चयन आयोग पर 12 वाँ दिन भी छात्रों का हुजूम जुटा रहा, और छात्रों द्वारा सांकेतिक प्रदर्शन के तौर पर आयोग की नज़र उतारने के लिए मटके पर काला कपड़ा बाँधकर और लोहबान नींबू मिर्च लटका कर विरोध प्रदर्शन किया गया।

धरना का नेतृत्व कर रहे डीएलएड प्रदेश अध्यक्ष रजत सिंह का कहना है कि चयन आयोग पर आज 12 दिन से अनवरत धरना पर बैठे हैं और आयोग केवल आश्वासन देकर किनारा काट लेता है, पिछले महाधरना 28 मई को आयोग उपसचिव द्वारा पूरे मीडिया और छात्रों के बीच 10 दिन का समय मांगा गया था लेकिन 10 दिन के अंदर मांग पूरी न कर पाने पर उपसचिव और अध्यक्ष बात- चीत करने से बच रहे हैं।

रजत सिंह का कहना है कि हम सब गांधीवादी विचारधारा के साथ अपनी मांग और प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां पर नींबू मिर्च सांकेतिक विरोध प्रदर्शन के द्वारा अपनी मांग रखा, और 13 जून को पूरे प्रदेश के छात्रों को पुनः आमंत्रित करने का आह्वान किया गया है। प्रदर्शन में शामिल विनय सिंह, राहुल पांडेय, चक्रधर कुमार, रोहित तिवारी, राहुल यादव, राहुल पाल, अनुराग मौर्या, विपुल, प्रमोद, जूही द्विवेदी, नेहा, रूपा आदि।

ग्राम पंचायत नरहर में मनरेगा योजना में मची लूट प्रशासन मौन

● मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर मामले की जांच कर कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने की मांग

ग्राम पंचायत नरहर में यदि श्रमिक फोटो घोटाले पर डाली जाए नजर तो होगा बड़ा खुलासा

घोटाले से प्रधान ने बनाई करोडो की नामी बेनामी संपत्ति 40 बीघा कृषि योग्य जमीन,लखीमपुर प्लाट, चार पहिया वाहन,गांव में आलीशान मकान बनाए जाने के शिकायतकर्ता ने लगाए आरोप

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी उत्तर प्रदेश की योगी सरकार जहां भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए प्रयासरत है तो वही भ्रष्टाचार करने का नाम नहीं ले रहा है। आलम यह है कि भ्रष्टाचार बदस्तूर जारी है, परंतु सवाल यह पैदा होता है कि आखिर यह भ्रष्टाचार किसकी सर परस्ती में फल फूल रहा है।और मनरेगा योजना किसके संरक्षण में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। चर्चाओं से जो प्रकाश में आ रहा है कि लाल, पीले कागजों ने उच्च अधिकारियों के भी हाथ बांध दिए हैं. जिसके चलते बराबर श्रमिक घोटाला चल रहा है और अधिकारी मौन क्यों सवाल है? बताते चलें कि शिकायतकर्ता और दर्जनों ग्रामीणों द्वारा ऑन कैमरा हमारे संवाददाता को दिए गए बयान के क्रम में जब स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र टीम ने विकासखंड फुलबेहड़ की ग्राम पंचायत नरहर की ओर नजर दौड़ाई और जायजा लिया तो पता चला कि ग्राम प्रधान पति मुन्नालाल पंचायत सचिव और रोजगार सेवक सहित प्रधान पुत्र सुनील कुमार द्वारा जमकर फर्जी वाडा करके फर्जी मास्टर रोल जनरेट करके फर्जी हाजिरी लगाकर सरकारी धन की लूट का खेल खेला जा रहा,और गरीब जरूरतमंद लोगों को काम करने को बाहर पलायन करना पड़ रहा है। शिकायतकर्ता विश्राम पुत्र सोहन निवासी रामपुरवा ने मुख्यमंत्री को प्रेषित शिकायती पत्र

में आरोप लगाया है की प्रधान उषा देवी पत्नी मुन्नालाल पंचायत मित्र /रोजगार सेवक अनिल यादव नरहर ग्राम पंचायत सचिव सौरभ कुमार के मिली भगत से नरहर ग्राम पंचायत में अरसा करीब 2 वर्ष पूर्व एक मानसरोवर/ अमृत सरोवर बनवाया गया था।

उसमें सरकार से आए सरकारी धन को अवैधानिक तरीके से हड़प लिया गय। तालाब पहले से खुदा था प्रधानी जीतने से पहले मुन्ना लाल की मलीहालत अच्छी नहीं थी मगर प्रधान बनने के बाद उन्होंने मनरेगा के तहत और ग्राम पंचायत के विकास को आने वाली सरकारी धनराशि का प्रधान पंचायत सचिव व पंचायत मित्र ने मनमाने तरीके से भ्रष्टाचार करके निजी 40 बीघा जमीन खरीदी ग्राम सभा में कोई विकास कार्य न होने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं।शिकायतकर्ता का आरोप है जब कभी प्रधान से काम न कराने का कारण पूछा जाता है या बात की जाती है तो फर्जी हरिजन एक्ट में फंसा देने की धमकी दिए जाने के आरोप प्रधान मुन्नालाल व उनके पुत्र सुनील कुमार पर शिकायतकर्ता ने लगाए हैं।सबसे बड़ा सवाल यह पैदा होता है कि ग्राम पंचायत में इतने बड़े भ्रष्टाचार की इबादत अरसे से लिखी जा रही है उसके बाद भी जिम्मेदार कार्यवाही करने में पीछे क्यों हैं? आखिर किसकी सर परस्ती में मनरेगा भ्रष्टाचार का अखाड़ा बन चुका है। अब देखना यह है क्या नरहर ग्राम पंचायत की जांच होगी? काफी दिनों से विकलांग मृतक और साधन संपन्न लोगों की हाजिरी लगाकर धन हड़पा जा रहा था,यदि जांच टीम गठित कर जांच कराई गई तो भ्रष्टाचार का खुलासा हो जाएगा।लेकिन क्या ऐसा होगा? यह तो समय ही बताएगा।

कहां तक ये मन को अंधेरे छलेंगे उदासी भरे दिन कभी तो ढलेंगे

राहुल गांधी ममता बनर्जी और अखिलेश यादव समेत विपक्षी नेता बेशक सरकार की कितनी ही आलोचना करें लेकिन सरकार और देश के लिए एक काफी अच्छी खबर है कि देश काफी तेजी से गरीबी के अभिशाप से मुक्ति की दिशा की ओर तेजी में आगे बढ़ रहा है है दावा सरकार नहीं विश्व बैंक कर रहा है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले 11 वर्षों में 26.9 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं, जो निःसंदेह एक बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है। चरम गरीबी दर 2011-12 के 27.1 फीसदी से गिरकर 2022-23 में 5.3 प्रतिशत पर पहुंच गई। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 2011-12 में देश में 34.45 करोड़ लोग चरम गरीबी में जीवनयापन कर रहे थे, जो 2022-23 में घटकर 7.52 करोड़ रह गए है। सबसे बड़ी बात यह है कि दुनिया भर में चरम गरीबों की संख्या में वृद्धि हो रही है, इसके विपरीत भारत में गरीबी का दायरा काफी तेजी से घट रहा है। विश्व बैंक के अनुसार पूरी दुनिया में चरम गरीबी की संख्या में 12.5 करोड़ की वृद्धि हुई है, मगर भारत इस मामले में एक सकारात्मक अपवाद सावित हुआ है। हाल ही में जारी रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार भारत में 2011-12 के दौरान कुल 344.47 मिलियन (34 करोड़ 44 लाख 70 हजार) लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जो कि 2022-23 के दौरान घटकर लगभग 75.24 मिलियन (7 करोड़ 52 लाख 40 हजार) लोग रह गए हैं। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश पांच राज्यों में 2011-12 के दौरान भारत के 65 प्रतिशत अत्यंत गरीब लोग रहते थे। वहीं, इन राज्यों ने 2022-23 तक अत्यधिक गरीबी में होने वाली कुल गिरावट में दो-तिहाई योगदान दिया है। विश्व बैंक का आकलन 3.00 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा (2021 की कीमतों का उपयोग कर) पर आधारित है, जो कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यापक कमी दर्शाता है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, 2.15 डॉलर प्रतिदिन की खपत पर (2017 की कीमतों पर आधारित पिछली गरीबी रेखा) अत्यधिक गरीबी में रहने वाले भारतीयों की हिस्सेदारी 2.3 प्रतिशत है, जो 2011-12 में दर्ज 16.2 प्रतिशत से काफी कम है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 2022 में 2.15 डॉलर प्रतिदिन की गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या 33.66 मिलियन दर्ज की गई है, जो 2011 में 205.93 मिलियन दर्ज की गई थी। आंकड़ों से यह भी पता चला कि यह तीव्र गिरावट समान रूप से देखी गई, जिसमें ग्रामीण अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत हो गई और शहरी अत्यधिक गरीबी पिछले 11 वर्षों में 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत हो गई। आपको बता दें कि विश्व बैंक रिपोर्ट के अनुसार भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी शानदार प्रगति की है। आंकड़ों के अनुसार, बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 तक 16.4 प्रतिशत हो गया और 2022-23 में और अधिक घटकर 15.5 प्रतिशत हो गया। पांच सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में 54 प्रतिशत अत्यंत गरीब लोग रहते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत हो गई है। शहरी क्षेत्रों में यह 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत हो गई है। जिससे ग्रामीण शहरी अंतर 7.7 प्रतिशत से घटकर 1.7 प्रतिशत रह गया है। यह 16 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट है। इसके अलावा, भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी शानदार प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 तक 16.4 प्रतिशत हो गया और 2022-23 में और अधिक घटकर 15.5 प्रतिशत हो गया है। निःसंदेह केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की बड़ी उपलब्धि है। साफ है कि पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एनडीए सरकार ने लोगों को गरीबी से उबारने के महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसका फायदा दिख रहा है। दरअसल सत्ता में आने के बाद मोदी सरकार ने पूववर्ती कांग्रेस की योजनाओं को जारी रखते हुए कई अन्य योजनाओं की शुरूआत की है, जिसका लाभ गरीबों को मिल रहा है। आवास योजना से लोगों को घर मिले, उज्वला योजना से स्वच्छ रसोई गैस कनेक्शन, जन धन योजना से बैंक खाते और आयुष्मान भारत से मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई। इसके अलावा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल सर्विसेज और ग्रामीण विकास से जुड़े कामों ने भी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। गौरतलब बात यह है कि गरीबों के कल्याण के लिए जो योजनाएं लागू की हैं और उसे पारदर्शी बनाया है। उससे वास्तविक गरीबों को समुचित लाभ मिलने लगा है। गरीबों के बैंक खाते खोले गए हैं,

जिसमें सीधे राशि आ जाती है। इस लिए अब सरकारी मदद में बिचौलिए सेंध नहीं लगा पा रहे हैं। नतीजतन गरीबों के जीवन स्तर में लगातार सुधार परिलक्षित हो रहा है। सरकार वास्तविक गरीबों के हितों का संरक्षण जरूर कर रही है। लेकिन उनके हक पर डाका डालने वाले फर्जी गरीबों के खिलाफ उतनी तेजी से अभियान नहीं चला रही है जैसी अपेक्षित है। इसके अलावा भारत की अर्थव्यवस्था ने इस दौरान तेजी से विकास किया है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़े हैं। विश्व बैंक के अनुसार, यह विकास न केवल शहरी क्षेत्रों में, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखा गया है। विश्व बैंक ने भी इस बात को माना है कि मुफ्त और रियायती खाद्यान्न वितरण से गरीबी में कमी आई है और ग्रामीण व शहरी गरीबी का अंतर कम हुआ है। हालांकि अर्थव्यवस्था के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की वास्तविक जीडीपी वित्त वर्ष 2025 तक कोरोना के पहले के स्तर से लगभग 5 प्रतिशत कम है। विश्व बैंक ने यह भी क हा है कि यदि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितताओं का व्यवस्थित ढंग से समाधान कर लिया जाता है तो 2027-28 तक भारत का विकास धीरे-धीरे अपनी संभावित स्थिति में पहुंच जाएगा। हालांकि भारतीय आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण नकारात्मक जोखिम विद्यमान हैं, और इसका कारण वैश्विक स्तर पर नीतिगत बदलाव जारी रहना है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ने से भारत के निर्यात की मांग कम होगी और निवेश में सुधार में और देरी होगी। साफ है कि भारत के समक्ष चुनौतियां बरकरार है। खुशी की बात है कि गरीबी घटी है, लेकिन अभी भी सात करोड़ से ज्यादा लोग अत्यधिक गरीबी के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। इसलिए भारत को अपनी संवेदनशील आबादी की जरूरतों को हल करने के लिए और बेहतर व्यवस्था की आवश्यकता है। देश में समतापूर्ण और संतुलित विकास पर ध्यान देना होगा। हालांकि इन चुनौतियों के बाद बावजूद भारत ने अत्यधिक गरीबी को कम करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है, जो आने वाले वर्षों में यह उम्मीद जागता है कि भारत जल्द ही गरीबी के दलदल से बाहर निकल आयेगा बशर्ते जनसंख्या नियंत्रण पर पर्याप्त ध्यान रखना होगा। क्योंकि यही एक बड़ी वजह है जो सारी योजनाओं को विफल करने मे बड़ी भूमिका निभा रही है और सरकारी स्तर से जुटाए गए तमाम संसाधन कम पड़ जाते हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

क्या सनातन धर्म अपने अनुयायियों को पाखंडी, अकर्मण्य, रूढ़िवादी और पिछड़ा बनाता है?

अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि सनातन धर्म अपने अनुयायियों को पाखंडी, अंधविश्वासी, अकर्मण्य, रूढ़िवादी, पिछड़ा और भाग्यवादी बनाता है। परंतु यह आरोप अज्ञान, पूर्वाग्रह और विकृत ऐतिहासिक दृष्टिकोण से उपजा है। वास्तविकता यह है कि सनातन धर्म केवल एक आस्था नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक, तर्कसम्मत और समग्र जीवन-पद्धति है। इसमें प्रकृति के पंचमहाभूतों की पूजा से लेकर पर्यावरण-संतुलन का संदेश समाहित है, जिसकी आज समूचे विश्व को आवश्यकता है। योग, आयुर्वेद, यज्ञ, वेदांत, गणित, खगोलशास्त्र–इन सबके माध्यम से सनातन धर्म मानव जीवन को भौतिक और आध्यात्मिक दोनों स्तरों पर संतुलित करने की प्रेरणा देता है। इसके मनीषियों ने चेतना, ऊर्जा और ब्रह्मांड के रहस्यों पर गहन चिंतन किया। वेदांत की "अहं ब्रह्मास्मि" जैसी अवधारणाएं आज के क्वांटम भौतिकी के सैद्धांतिक निष्कर्षों से साम्य रखती हैं। अतः यह धर्म किसी भी प्रकार की रूढ़ि नहीं, बल्कि तर्क, अनुभव और आत्मबोध पर आधारित एक वैज्ञानिक दर्शन है।

1. पाखंड के स्थान पर सत्य, विवेक और आत्मबोध का धर्म-

सनातन धर्म की मूल धाराएँ–वेद, उपनिषद, गीता, योग–सभी सत्य, विवेक और आत्मबोध को केंद्र में रखती हैं। तैत्तिरीय उपनिषद में स्पष्ट कहा गया है–"सत्यं वद, धर्मं चर" अर्थात् सत्य बोलो, धर्म का आचरण करो। संतों और योगियों ने हमेशा पाखंड और अंधानुकरण की आलोचना की है। कबीर, तुलसी, रविदास जैसे संतों ने आडंबर और जातिगत पाखंड पर तीखा प्रहार किया। स्वामी विवेकानंद ने स्पष्ट कहा–"अंधविश्वास ही हमारे पतन का सबसे बड़ा कारण है। धर्म को तर्क और अनुभव से जाँचो।"

2. पूजा नहीं, भाव प्रधान है सनातन साधना में-

सनातन धर्म में पूजा केवल बाह्य अनुष्ठान नहीं, अपितु एक आंतरिक साधना है। श्रीमद्भगवद्गीता (9.26) में कहा गया है–"पत्रं पुष्पं फलं तोयं यो मे भक्त्या प्रयच्छति..." – यहां 'भक्त्या' अर्थात् भाव ही मुख्य है। देवी-देवताओं की मूर्तियाँ ध्यान केंद्रित करने के साधन मात्र हैं, साध्य नहीं। उपनिषदों और वेदांत में ब्रह्म की उपासना निराकार रूप में भी स्वीकार्य है।

3. कर्मविहीन नहीं, कर्मयोगी बनाता है सनातन-

सनातन धर्म भाग्यवाद नहीं, कर्मयोग का संदेश देता है। गीता का प्रसिद्ध श्लोक–"कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन..."–कर्म के प्रति प्रतिबद्धता की प्रेरणा देता है। राम, कृष्ण, बुद्ध–सभी ने कर्म का मार्ग अपनाया और कर्मशील जीवन का आदर्श प्रस्तुत किया। भाग्य को निर्णायक मानकर अकर्मण्य हो जाना सनातन धर्म की शिक्षा नहीं है।

4. सनातन धर्म स्थिर नहीं, गत्यात्मक है-

सनातन धर्म की सबसे बड़ी विशेषता है इसकी गत्यात्मकता और आत्मसमीक्षा की शक्ति। यह समय के साथ चलने वाला धर्म है। उपनिषदों में ब्रह्म को निराकार कहा गया, भक्ति युग ने सामाजिक समता पर बल दिया, और आधुनिक युग में विवेकानंद, दयानंद, तिलक, गांधी जैसे समाज सुधारकों ने इसे युगानुकूल दिशा दी। यह धर्म परिवर्तन से नहीं डरता, बल्कि उसे आत्मसात करता है।

5. सनातन धर्म पिछड़ा नहीं, अग्रगामी बनाता है-

सनातन धर्म को पिछड़ेपन से जोड़ना औपनिवेशिक और वामपंथी दुष्प्रचार का परिणाम है। इतिहास गवाह है कि भारत ने चिकित्सा (आयुर्वेद), खगोल (ज्योतिष), गणित, दर्शन और योग के क्षेत्र में विश्व को दिशा दी। चरक, सुश्रुत, आर्यभट, भास्कराचार्य, पतंजलि जैसे वैज्ञानिक मनीषी इसी परंपरा की देन हैं। यह धर्म सृजनशीलता और अनुसंधान को प्रोत्साहित करता है।

6.सनातन अंधविश्वास नहीं, तर्क और अनुभव की बात करता है-

सनातन धर्म में ज्ञान को सर्वोच्च माना गया है। उपनिषद कहते हैं–"आत्मनं विद्धि" (अपने आप को जानो)। गीता (4.39) कहती है–"श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्"। ज्ञान, तर्क और अनुभव के अभाव में ही अंधविश्वास जन्म लेता है। उपनिषदों ने अंधानुकरण नहीं, स्वानुभव और आत्मपरीक्षण को सत्य की कसौटी बताया है। यही कारण है कि चार्वाक जैसे नास्तिक दर्शन भी सनातन परंपरा में स्थान पाते हैं। गीता (3.26) में स्पष्ट निर्देश है–"न बुद्धिभेदं जनयेदज्ञानां...", अर्थात अज्ञानी में भ्रम न उत्पन्न करें, उन्हें यथार्थ कर्म के लिए प्रेरित करें।

निष्कर्ष-

सनातन धर्म किसी भी प्रकार के पाखंड, अकर्मण्यता, भाग्यवाद, पिछड़ेपन या अंधविश्वास को प्रोत्साहन नहीं देता। यह धर्म-सत्य, विवेक और आत्मचिंतन की राह दिखाता है;

कर्म और कर्तव्यनिष्ठा को सर्वोपरि मानता है;आध्यात्मिक उन्नति के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता को भी महत्व देता है।यदि कुछ अनुयायी भय, अज्ञान या रूढ़ियों में उलझे हुए हैं, तो वह दोष धर्म का नहीं, अपूर्ण समझ और विकृत पालन का है। सनातन धर्म शाश्वत इसलिए है क्योंकि वह सत्य, विज्ञान, अनुभव और मानव कल्याण पर आधारित है। यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

डॉ मनमोहन प्रकाश

10 जून- राष्ट्रीय बॉलपॉइंट पेन दिवस, स्याही से विचारों की यात्रा

लेखन मानव सभ्यता के विकास में एक अद्भुत आविष्कार रहा है। यह एक ऐसा माध्यम है, जिसके जरिए मनुष्य ने अपनी भावनाओं, विचारों, अनुभवों और ज्ञान को संजोया और अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया। आज हम जिन भी तकनीकों और डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं, उनकी जड़ें इस सरल लेकिन प्रभावशाली साधन से जुड़ी हैं बॉलपॉइंट पेन। यह उपकरण केवल लेखन का औजार नहीं, बल्कि सोच को व्यक्त करने, भावनाओं को संप्रेषित करने और समाज के ज्ञान के भंडार को विस्तृत करने का माध्यम बन चुका है। इसी संदर्भ में हर साल 10 जून को पूरे भारत में राष्ट्रीय बॉलपॉइंट पेन दिवस मनाया जाता है, जो इस आविष्कार के महत्व और इसके योगदान को याद करता है बॉलपॉइंट पेन की कहानी 20वीं सदी के मध्य की है। पहले के दौर में लेखन के लिए मुख्यतः पेंसिल, कलम, और फाउंटेन पेन का उपयोग होता था। फाउंटेन पेन में स्याही भरने और उसकी सफाई की जटिलताएँ थीं, साथ ही अक्सर स्याही फैल जाती थी, जिससे कागज़ खराब हो जाता था। यह समस्या लास्ज़लो बाइरो नामक एक पत्रकार के लिए विशेष रूप से गंभीर थी। एक पत्रकार के नाते, बाइरो जानते थे कि तेज़, साफ़ और विश्वसनीय लेखन कितनी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने अखबारों में इस्तेमाल होने वाली त्वरित सूखने वाली स्याही का उपयोग करके और एक छोटे स्टील की गेंद वाले निब का आविष्कार करके बॉलपॉइंट पेन का जन्म दिया। इस पेन की स्याही कागज़ पर फैलती नहीं थी और इसे बार-बार भरने की जरूरत भी नहीं पड़ती थी। 10 जून 1943 को अर्जेंटीना में इस पेन का पेटेंट प्राप्त हुआ और इस दिन को बाद में राष्ट्रीय बॉलपॉइंट पेन दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। यह आविष्कार न केवल तकनीकी दृष्टि से क्रांतिकारी था, बल्कि सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से भी अतुलनीय था। भारत जैसे विशाल देश में जहाँ शिक्षा का प्रसार एक चुनौती थी, वहां बॉलपॉइंट पेन ने शिक्षा को लोकतांत्रिक रूप दिया। यह सस्ता, टिकाऊ और आसानी से उपलब्ध था। छात्र-छात्राओं के लिए यह पेन उनकी पढ़ाई की साथी बन गया। अब वे बिना किसी चिंता के अपने विचार, नोट्स और निबंध आसानी से लिख सकते थे। यह पेन स्कूलों, कॉलेजों और परीक्षा केंद्रों में आम हो गया, जिसने समग्र शिक्षा के स्तर को प्रभावित किया। शिक्षक भी इसके उपयोग से पढ़ाई की गुणवत्ता में सुधार कर सके क्योंकि छात्र साफ और पठनीय लिखाई कर पाते थे। बॉलपॉइंट पेन ने केवल शिक्षा तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि व्यापार, प्रशासन, सरकारी कामकाज और रोज़मर्रा के जीवन में भी इसका महत्व बढ़ता गया। व्यवसायिक कागजात, अनुबंध, सरकारी फॉर्म, और बैंकिंग लेनदेन में यह पेन अभिन्न उपकरण बन गया। इसके बिना कोई दस्तावेज़ अधूरा

लगता था। यह न केवल एक लिखने का यंत्र था, बल्कि भरोसे और सत्यापन का प्रतीक भी बन गया। इसके अलावा, बॉलपॉइंट पेन ने कला की दुनिया में भी अपनी अनूठी जगह बनाई। कुछ कलाकारों ने इसे माध्यम बनाकर अद्भुत चित्र बनाए, जिन्हें बॉलपॉइंट पेन आर्ट के नाम से जाना जाता है। इन चित्रों में सूक्ष्मता, गहराई और विस्तृत छायांकन देखने को मिलता है, जो केवल स्याही और पेन की क्षमता को दर्शाता है। यह कला इस बात का प्रमाण है कि कैसे एक साधारण उपकरण भी अपार रचनात्मकता का स्रोत बन सकता है। आधुनिक युग में, जहां डिजिटल टेक्नोलॉजी ने लेखन की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है, फिर भी बॉलपॉइंट पेन की उपयोगिता और प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। डिजिटल हस्ताक्षर और इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज़ों के बढ़ते चलन के बावजूद, कई कानूनी और आधिकारिक कागजात पर हस्ताक्षर के लिए बॉलपॉइंट पेन का उपयोग अनिवार्य है। यह पेन स्थायी और भरोसेमंद होता है, जो डिजिटल माध्यमों की तुलना में अधिक विश्वसनीय माना जाता है। राष्ट्रीय बॉलपॉइंट पेन दिवस हमें याद दिलाता है कि किस प्रकार एक सरल आविष्कार ने हमारे जीवन को सरल और सुगम बनाया। यह दिवस लेखन की महत्ता को रेखांकित करता है और हमें प्रेरित करता है कि हम अपने विचारों को स्पष्टता और प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करें। इस दिन पर हम बॉलपॉइंट पेन के आविष्कारकों को सम्मानित करते हैं और उनकी उपलब्धि को याद करते हैं जिसने ज्ञान के प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस प्रकार, दस जून को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय बॉलपॉइंट पेन दिवस न केवल एक औपचारिकता है, बल्कि यह लेखन, शिक्षा, कला और संचार की एक अमूल्य साधना का उत्सव है। यह हमें यह सिखाता है कि कैसे छोटे-छोटे उपकरण और नवाचार हमारे जीवन में बड़े बदलाव ला सकते हैं। आइए इस दिन हम अपने हाथ में बॉलपॉइंट पेन लेकर उसके महत्व को समझें, उसकी स्याही से अपने विचारों को अभिव्यक्त करें और लेखन की इस परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाएँ।

हंसराज चौरसिया

नेत्रदान- आपका अंतिम उपहार - किसी की पहली रोशनी

[किसी की अंधेरी रात में सूरज बनिए-नेत्रदान की ओर एक कदम] जब जीवन की अंतिम साँसें गिनती शुरू होती हैं, तब भी किसी और के जीवन में उजाला भरने का संकल्प लेना इंसान को साधारण से असाधारण बना देता है। नेत्रदान एक ऐसा पुण्य कार्य है, जो न केवल हमारे जीवन को सार्थकता प्रदान करता है, बल्कि किसी अंधेरी दुनिया में रोशनी की किरण बनकर किसी और का जीवन संवार देता है। विश्व नेत्रदान दिवस, जो हर साल 10 जून को मनाया जाता है, हमें यह अवसर देता है कि हम अपनी आँखों से केवल अपनी दुनिया को ही नहीं, बल्कि किसी और की दुनिया को भी रंगों से भर दें। यह एक ऐसा मौका है, जो हमें याद दिलाता है कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा किसी को देखने की शक्ति देना है। भारत में नेत्रहीनता एक गंभीर समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, भारत में लगभग 1.2 करोड़ लोग कॉर्नियल ब्लाइंडनेस से पीड़ित हैं, और इनमें से करीब 20 लाख लोग ऐसे हैं, जिन्हें नेत्र प्रत्यारोपण के माध्यम से दृष्टि प्रदान की जा सकती है। नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट (एनपीसीबी×वीआई) के आँकड़ों के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष केवल 50,000 से 60,000 नेत्रदान होते हैं, जबकि आवश्यकता 1 लाख से अधिक कॉर्निया की है। इस कमी का प्रमुख कारण है जागरूकता की कमी, सामाजिक मिथक, और नेत्रदान की प्रक्रिया के प्रति भय। कई लोग यह मानते हैं कि नेत्रदान से मृत शरीर की शक्ल बिगड़ जाती है या यह धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ है। लेकिन सच्चाई यह है कि नेत्रदान एक सरल, सुरक्षित और मानवीय प्रक्रिया है, जो किसी की भी धार्मिक या सांस्कृतिक भावनाओं का उल्लंघन नहीं करती। नेत्रदान मृत्यु के बाद किया जाने वाला एक ऐसा कार्य है, जो कुछ ही मिनटों में पूरा हो जाता है। मृत्यु के 6 से 8 घंटों के भीतर कॉर्निया निकाल लिया जाता है, जो आँख का वह पारदर्शी हिस्सा है, जो प्रकाश को केंद्रित करता है। यह प्रक्रिया इतनी सूक्ष्म होती है कि मृत व्यक्ति के चेहरे की सामान्य पहचान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। राष्ट्रीय नेत्र बैंक और अन्य प्रमाणित संस्थानों ने इस प्रक्रिया को और भी विश्वसनीय और पारदर्शी बनाया है। आश्चर्यजनक रूप से, नेत्रदान के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। एक नवजात शिशु से लेकर 80 वर्ष के बुजुर्ग तक, कोई भी व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है। यहाँ तक कि

चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग भी नेत्रदान के लिए पात्र हैं, बशर्ते उनकी कॉर्निया स्वस्थ हो। कैंसर, एचआईवी, या कुछ संक्रामक रोगों को छोड़कर, अधिकांश लोग इस पुण्य कार्य का हिस्सा बन सकते हैं। नेत्रदान की प्रक्रिया को समझना भी आवश्यक है। जब कोई व्यक्ति नेत्रदान का संकल्प लेता है, तो उसका पंजीकरण निकटतम नेत्र बैंक में किया जाता है। मृत्यु के बाद, परिवार के सदस्यों को तुरंत नेत्र बैंक को सूचित करना होता है। विशेषज्ञों की टीम कॉर्निया को सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से निकालती है। इसके बाद, कॉर्निया को नेत्र प्रत्यारोपण के लिए उपयुक्त मरीजों तक पहुँचाया जाता है। भारत में कई नेत्र बैंक, जैसे दिल्ली का डॉ. राजेंद्र प्रसाद सेंटर फॉर ऑफ्थैल्मिक साइंसेज और चेन्नई का शंकर नेत्रालय, इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। ये संस्थान न केवल नेत्रदान को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करते हैं कि दान की गई कॉर्निया जरूरतमंद तक समय पर पहुँचे। नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में नेत्रदान पर कार्यशालाएँ आयोजित की जानी चाहिए। धार्मिक नेताओं को आगे आकर मिथकों को तोड़ना चाहिए, क्योंकि कोई भी धर्म मानवता की सेवा के खिलाफ नहीं है। मीडिया और सोशल मीडिया भी इस मुहिम को गति दे सकते हैं। हाल के वर्षों में, कई बॉलीवुड फिल्मों और वेब सीरीज ने नेत्रदान को बढ़ावा देने का प्रयास किया है, जिसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है। फिर भी, हमें स्थानीय स्तर पर, गाँवों और कस्बों में, इस संदेश को पहुँचाने की आवश्यकता है। पंचायतें, सामुदायिक केंद्र, और स्थानीय चिकित्सा संस्थान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कल्पना कीजिए कि आपके दान किए गए नेत्रों से कोई बच्चा पहली बार अपनी माँ का चेहरा देखता है। कोई छात्र अपनी किताबों के अक्षरों को पढ़ पाता है। कोई माता-पिता अपने बच्चों के साथ फिर से रंगों की दुनिया में लौट आता है। यह कितना बड़ा उपहार है, जो हम मृत्यु के बाद भी दे सकते हैं। नेत्रदान केवल आँखें दान करना नहीं है; यह किसी की जिंदगी में रोशनी, उम्मीद और खुशी लाने का माध्यम है। एक कॉर्निया दो लोगों की जिंदगी बदल सकती है, क्योंकि इसे दो भागों में बाँटकर दो मरीजों में प्रत्यारोपित किया जा सकता है। इस तरह, एक व्यक्ति का संकल्प दो जिंदगियों को रोशन कर सकता है। आधुनिक तकनीक ने नेत्रदान को और भी सरल और प्रभावी बनाया है। डिजिटल रजिस्ट्रेशन, 24×7 हेल्पलाइन, और मोबाइल ऐप्स ने लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने में मदद की है। भारत सरकार का एनपीसीबी×वीआई प्रोग्राम भी नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय है। फिर भी, सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाएँ अभी भी इस पुण्य कार्य में रुकावट बन रही हैं। कई लोग यह मानते हैं कि नेत्रदान से मृत्यु के बाद आत्मा को शांति नहीं मिलती। लेकिन यह एक भ्रांति है। सभी प्रमुख धर्म, जैसे हिंदू, इस्लाम, ईसाई, और सिख, मानवता की सेवा को सर्वोच्च मानते हैं। नेत्रदान को धार्मिक ग्रंथों में भी एक महान कार्य के रूप में देखा जाता है। विश्व नेत्रदान दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम न केवल स्वयं नेत्रदान के लिए पंजीकरण करवाएँ, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी इसके लिए प्रेरित करें। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि नेत्रदान एक सामाजिक जिम्मेदारी है, न कि केवल एक व्यक्तिगत निर्णय। यदि हर व्यक्ति केवल एक अन्य व्यक्ति को इस कार्य के लिए प्रेरित कर दे, तो हम जल्द ही उस कमी को पूरा कर सकते हैं, जो आज नेत्र प्रत्यारोपण की राह में बाधा बन रही है। मृत्यु जीवन का अंत नहीं है; यह एक नई शुरुआत का द्वार हो सकता है। नेत्रदान के माध्यम से हम किसी की दुनिया को रंगों से भर सकते हैं, किसी के सपनों को साकार कर सकते हैं। यह एक ऐसा दान है, जो न केवल दृष्टि देता है, बल्कि आत्मा को भी सुकून देता है। जब हम इस दुनिया को छोड़कर जाएँ, तो हमारी आँखें किसी और की जिंदगी में रोशनी बनकर रहें। इस विश्व नेत्रदान दिवस पर हम यह प्रतिज्ञा करें कि हम उस रोशनी का हिस्सा बनेंगे, जो किसी की अंधेरी दुनिया को रोशन करेगी। क्योंकि, जब आपकी आँखें किसी और की जिंदगी में सूरज की पहली किरण बनेंगी, तब आप सही मायनों में अमर हो जाएँगे।

प्रो. आरके जैन

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी

मेष

आज कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे। विवेक से कार्य बनेंगे। पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना। वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग।

वृष

आज लेन-देन में सावधानी रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना। कुसंग से हानि। धनागम सुखद रहेगा। प्रेमिका मिलेगी। कुछ आय होगी। माता को कष्ट रहेगा।

मिथुन

आज लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी। मशक्कत करने से लाभ होगा। चिंता होगी। शत्रु पराजित होंगे।

कर्क

आज पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा। नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। विवेक से कार्य करें। स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी।

सिंह

आज स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। कुछ लाभ की संभावना। चिंताएं कुछ कम होंगी।

कन्या

आज आय में वृद्धि होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्?थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना। चिंताएं जन्म लेंगी। स्त्री पीड़ा, कुछ लाभ की आशा करें।

तुला

आज भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। दुस्समाचार प्राप्त होंगे। हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा। भयकारक दिन रहेगा।

वृश्चिक

आज यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी। देव दर्शन होंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृपक्ष की चिंता। वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें। धनागम की संभावना। मित्र मिलेंगे। विवाद न करें।

धनु

आज बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा। शत्रु से परेशान होंगे। अपमान होने की संभावना। कष्ट की संभावना। धनहानि। कष्ट-पीड़ा। शारीरिक पीड़ा होगी।

मकर

आज प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा। स्वास्थ्य ठीक होगा। अनजाना भय सताएगा। राज्य से लाभ। शत्रु शांत होंगे।

कुंभ

आज रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। लाभ होगा। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी। शत्रु दबे रहेंगे। कलह-अपमान से बचें। संभावित यात्रा होगी। सावधानी बरतना होगी।

मीन

आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे। स्त्री वर्ग को कष्ट। कुसंग से कष्ट। कलहकारक दिन रहेगा। अपनी तरफ से बात को बढ़ावा न दे

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

गाजीपुर पहुंची मेघालय पुलिस सोनम का कराया मेडिकल चेकअप

गाजीपुर। सोनम को अपने कस्टडी में लेने के लिय मेघालय पुलिस दोपहर बाद उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद पहुंची जहां उसने गाजीपुर पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर सोनम रघुवंशी का मेडिकल परीक्षण करा रही है। तो वहीं दोपहर बाद ही इंदौर से सोनम के भाई गोविंद भी परिवार के साथ गाजीपुर पहुंचा तो मीडिया ने सवाल करने शुरू कर दिये। मीडिया ने पुछा की क्या सोनम भी राजा रघुवंशी की हत्या में शामिल हैं तो जबाब देते हुए गोविंद ने कहां की हमारी बहन सोनम निर्दोष है। वो राजा रघुवंशी की हत्या में शामिल नहीं है। गोविंद ने कहां की मुझे पहले आप लोग बहन से मिलने दिजिए लेकिन मीडिया के सवाल होते रहे। गोविंद ने आगे कहां की अगर हमारी बहन सोनम अगर इस हत्या में शामिल हैं तो उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए उसने ये भी कहां इस हत्या कांड में जो भी शामिल हो उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए एक सवाल के जबाब में गोविंद ने कहां की हमें नहीं पता की सोनम गाजीपुर कैसे पहुंची है सोनम पर जो भी आरोप लग रहे हैं वो मीडिया ही लगा रही है। सोनम की मां ने भावुक होते हुए कहां की बेटी मिलने की हम लोगों को कोई खुशी नहीं है। क्यों की हमारा दमाद इस दुनिया से चला गया है।

हम होंगे कामयाब..... एक दिन

बिसवां (सीतापुर)। धीरे धीरे शासन के निर्देश पर बेसिक विद्यालयों में गत माह से चल रहे समर कैंप अब समापन की ओर बढ़ रहे हैं। यह कैंप 10 जून तक होने हैं। सोमवार को कंपोजिट विद्यालय जहांगीराबाद में समर कैंप मैं बच्चों को लोकगीत और समूह गायन कराया गया। जिसमें अनुदेशिका तस्लीम फातिमा के द्वारा 'हम होंगे कामयाब.....एक दिन' और 'हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं.....।' जैसे गीतों का समूह गायन कराया गया। अनुदेशक मो0 फिरोज आलम द्वारा योग और व्यायाम के अंतर्गत बच्चों को पिछले दिनों में जो भी योग और क्रियाएं कराई गई उनको दोहराया गया। इसके अलावा बच्चों ने कुछ पारंपरिक खेलों का भी आनंद लिया।हइसी प्रकार बिसवां विकास खण्ड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय देबियापुर में भी अनुदेशिका रचना वर्मा ने भी बच्चों को दैनिक व्यायाम करवा कर पिछली योग क्रियाएं कराई।इस दौरान बच्चे बहुत उत्साहित और खुश दिखाई दिये। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक देवेन्द्र कुमार वर्मा एवं अनुदेशक अमित कुमार श्रीवास्तव मौजूद रहे। देबियापुर में व्यायाम कराती अनुदेशिका। 2 से 5 तक कम्पोजिट विद्यालय जहांगीराबाद-में योग सिखाते अनुदेशक एवं समूह गायन कराती अनुदेशिका।

15 जुलाई तक करें आवेदन

चित्रकूट ब्यूरो- सहायक श्रमायुक्त आरके गुप्ता ने बताया कि भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा ई-श्रम कार्ड धारकों (अंसगठित कर्मकारों) के लिए उनके मृत्यु व दिव्यागंता की दशा में अनुग्रह राशि के हितलाभ की घोषणा की गयी है। जिसके तहत 15 जुलाई तक आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। इसके बाद प्रक्रिया पूर्ण कर आगामी 31 जुलाई तक लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा। कहा कि सभी अंसगठित कर्मकार जो ई-श्रम पोर्टल पर 26 अगस्त 2021 से 31 मार्च 2022 तक की अवधि में पंजीकृत हुये थे एवं जिनकी 31 मार्च 2022 से पूर्व इसी अवधि में दुर्घटना में दुर्भाग्यवष मृत्यु हो गयी हो अथवा विकलागंता आ गयी हो, तथा वह आयकर दाता व ईएसआई व ईपीएफओ के सक्रिय सदस्य न हो, को यह लाभ दिया जाएगा। बताया कि इस योजना के तहत जिन कर्मकारों की दुर्घटना में मृत्यु हुई थी, उनके दावेदारों को दो लाख रूपये अथवा दिव्यांग होने वाले कर्मकारों को एक लाख लाख रूपये का हितलाभ दिया जाएगा। बताया कि इसके लिए सम्बन्धित अभिलेख सहित आवेदन 15 जुलाई तक श्रम विभाग कार्यालय में जमा किये जाएंगे।

इंदौर की सोनम मेघालय से लापता, गाजीपुर से बरामद

स्वतंत्र प्रभात

इंदौर के मृतक राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम रघुवंशी को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के नंदगंज से एक ढाबे से पुलिस ने बरामद किया है। सोनम रघुवंशी अपने पति राजा रघुवंशी के साथ मेघालय गई हुई थी। जहां राजा की हत्या कर दी गई व सोनम लापता हो गई। तब से सोनम को मेघालय पुलिस तलाश कर रही थी ।

दोनों की कुछ दिन पहले हुई थी शादी

इंदौर के नव दंपती सोनम रघुवंशी व राजा रघुवंशी मेघालय हनीमून मनाने गये हुए थे जहां। एक पहाड़ी पर राजा रघुवंशी की हत्या कर शव को पहाड़ी के नीचे फेंक दिया गया था। तो वहीं सोनम रघुवंशी गायब हो गई थी। जिसकी तलाश पुलिस 17 दिनों से कर रही थी। बताया जा रहा है की राजा रघुवंशी जब पहाड़ी पर सोनम के साथ घूमने जा रहा था तो उसके पीछे एक लाल रंग की कार चार लोग पिछा कर रहे थे। मेघालय पुलिस सोनम की अपहरण की आशंका जता रही थी। लेकिन 17दिन बाद सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के नंदगंज से पुलिस ने बरामद कर लिया है। वहीं पुलिस सोनम से पुछताछ कर रही है लेकिन सोनम पुलिस की पुछताछ में मदद नहीं कर रही है। वो चुप चाप सिर्फ पुलिस के सवाल सुन रही है। एसपी सीटी ज्ञानेंद्रनाथ प्रसाद ने बताया की सोनम को महिला वन स्टाप सेंटर में रखा गया है । साथ ही मेघालय पुलिस को सोनम की बरामदगी की सूचना दे दी गई है।

सोनम पर पुलिस का शक

बताया जा रहा है की राजा रघुवंशी की हत्या की गुत्थी मेघालय पुलिस सुलझा ली है। इस हत्या में शामिल तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर ली है। सभी आरोपी मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं । पुलिस से मिली रही जानकारी के अनुसार राजा रघुवंशी की हत्या में सोनम भी शामिल हैं। इसी ने सभी आरोपियों को मध्यप्रदेश से सुपारी दे मेघालय बुलाया था। मेघालय पुलिस गाजीपुर पहुंच रही है। बताया जा रहा है की राजा रघुवंशी की हत्या में शामिल एक अन्य आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। सूचना के मुताबिक सोनम की लोकेशन तब मिली जब वो अपने परिजनों से बात करने के लिए फोन का प्रयोग किया। सोनम रघुवंशी गाजीपुर किसके साथ पहुंची ये पुछताछ के बाद ही सामने आयेगा।

ढाबे वाले ने कहां बस से आई सोनम

जीस ढाबे से सोनम को बरामद किया उसका मालिक साहिल यादव ने बताया की

सोनम रघुवंशी रविवार रात्रि करीब एक बजे के आसपास बस से उतरी वो अकेली आई थी। आते ही बदहवास अवस्था में मुझसे फोन मांगी और अपने परिजनों से बात की कुछ देर बाद सोनम का भाई मेरे ही फोन बात किया तो मैं सोनम का लोकेशन बता दिया। सोनम के भाई ने मुझसे कहां की इसकी जानकारी पुलिस को दे दिजिए।

तैनात सफाई कर्मी के न आने से गांव में लगा गंदगी का अम्बार

मिश्रिख (सीतापुर)तहसील क्षेत्र मिश्रिख के परगना मछरेहटा निवासी क्षेत्र पंचायत सदस्य रणधीर सिंह के नेतृत्व में ग्राम पंचायत हांसखेड़ा के एक दर्जन तक ग्रामीणों ने जिला पंचायत राज अधिकारी को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है। कि उनकी ग्राम पंचायत में तैनात सफाई कर्मी नियमित सफाई करने नहीं आता है। जिससे गांव की सभी नालियां चोक चल रही हैं । गांव में जगह-जगह कूड़े के अंबार लगे हुए हैं। इस गंदगी के चलते ग्राम वासियों में संक्रामक बीमारियों को पनपने का खतरा उत्पन्न हो गया है। यहां के सभी ग्रामीणों ने जिला पंचायत राज अधिकारी को मांमले का शिकायती पत्र देकर यहां पर तैनात सफाई कर्मी के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने की मांग की हैं।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ 20 अगस्त को मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित करेंग

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ 09 जून, 2025 उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश व्यापी संघर्ष के अन्तर्गत आगामी 20 अगस्त, 2025 को प्रदेश के सभी जनपदों में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयों पर धरना होगा और समापन पर जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किए जाएगे। यह निर्णय संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में 65 रायल होटल (विधायक निवास) में सम्पन्न प्रदेश की संघर्ष समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में 01 जुलाई, 2025 से चरणबद्व संघर्ष कार्यक्रम निर्धारित किए गए। संगठन के प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा0 आर0पी0 मिश्र एवं महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि संघर्ष समिति के निर्णयानुसार दिनांक 01 जुलाई, 2025 से 19 अगस्त, 2025 तक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा जिसके अन्तर्गत जनपद मण्डल तथा प्रदेश पदाधिकारी एवं सम्बन्धित जनपद के राज्य कार्यकारिणी के सदस्यगण अपने-अपने जनपदों में प्रत्येक शाखा इकाई का दौरा करते हुए की समास्याओं को एकत्र करेगे तथा शिक्षकों को ''संघर्ष अपरिहार्य क्यो'' के सम्बन्ध में जानकारी देगे। शिक्षक नेताओं ने बताया कि प्रत्येक जनपद में दिनांक 06 जुलाई, 2025 को जिला कार्यकारिणी अपरिहार्य रूप् से बैठक आयोजित की जायगी और उसमें जनजागरण कार्यक्रम को सफल बनाने के सम्बन्ध में व्यापक विचार विमर्श कर आवश्यक निर्णय किए जाएंगे। 32 सदस्यीय संघर्ष समिति की बैठक को प्रमुख रूप् से प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी, शिक्षक विद्यायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी, नेता शिक्षक दल, प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा0 आर0पी0 मिश्र, महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा, डा0 प्रमोद कुमार मिश्र, रामेश्वर उपाध्यक्ष, महेश चन्द्र शर्मा, शिव कुमार यादव आदि ने सम्बोधित किया।

नगर पालिका में हुई मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के सम्बन्ध में बैठक

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई अध्यक्ष नगर पालिका परिषद हरदोई सुखसागर मिश्र मधुर द्वारा नगर पालिका परिषद हरदोई सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के संबंध में समीक्षा बैठक की गई, जिसमें अध्यक्ष द्वारा सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वह अपने-अपने वार्डो में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का प्रचार प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को तक मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की जानकारी पहुंचाना सुनिश्चित करें। अध्यक्ष द्वारा अवगत कराया गया कि इस योजना के अंतर्गत 21वर्ष से 40 वर्ष आयु तक के लाभार्थी को 5,00,000=00 तक का ब्याज रहित ऋण उपलब्ध कराया जाएगा तथा 50,000 तक की सब्सिडी भी रहेगी। इस योजना के अंतर्गत युवा अपना रोजगार करने के लिए ऋण ले सकते हैं और योजना का लाभ उठा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए आवेदक नगर पालिका परिषद हरदोई में संपर्क कर सकते हैं।

मजदूर की हत्या, संदिग्धों से चल रही पूछताछ

स्वतंत्र प्रभात

मलिहाबाद लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक की हत्या कर शव को उसके हाते में फेंक दिया सुबह जब मां ने बेटे को मृत हालत में देखा जोर-जोर से रोने लगी रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने 100 को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा बड़े भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताते चले की रहीमाबाद थाना क्षेत्र के अहिडर गांव निवासी पप्पू पुत्र स्वर्गीय रामआसरे निवासी ग्राम अहिडर थाना रहीमाबाद जनपद लखनऊ ने रहीमाबाद थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया उनका भाई विजय उर्फ गप्पू 25 वर्ष जो शाम को खाना खाने के बाद हाते में सोने चला गया सुबह 3:30 उनकी मां सुंदरी उठी तो उन्होंने हाते में विजय का शव पड़ा देखा तो वह जोर-जोर से रोने लगी रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए ग्रामीणों में घटना की सूचना तत्काल रहीमाबाद पुलिस को दी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी रहीमाबाद आनंद द्विवेदी ने आसपास बारीकी से निरीक्षण किया तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मृतक के बड़े भाई पप्पू रावत की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा कॉल डिटेल तथा परिजनों की निशा देही पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर घटना की छानबीन कर रही है। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी एडीसीपी एसीपी तथा फॉरेंसिक टीम वी डॉग स्क्वाड मौके पर पहुंचे फॉरेंसिक टीम ने फिंगरप्रिंट लिए वही डॉग स्क्वायड टीम का डॉग घटना स्थल के पीछे बने मकान के पास एक कपड़ा पड़ा था जिसमें हथोड़ा छुपा हुआ था वहां से चलकर रोड के

पास लवलेश के घर के पास खड़ी नीम के पास आकर खड़ा हो जाता था।मृतक विजय की मां सुंदरी ने बताया कि 5 वर्ष पूर्व विजय की पत्नी का देहांत हो गया था और 2 साल से विजय गांव के ही राम भजन की पत्नी कुंती के साथ विजय के मधुर संबंध थे जिसके साथ वह रहता था। विजय की एक लड़की मधु 8 वर्ष तथा एक बेटा रितिक 5 वर्ष जो अपनी दादी सुंदरी के साथ रहते हैं।

छत्रपति शिवाती महाराज संपूर्ण भारत के जन- जन के नायक- मिथलेश

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर संघचालक मिथिलेश ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदू साम्राज्य दिवस को संघ के वार्षिक 6 प्रमुख उत्सवों में एक है। हिंदू साम्राज्य दिवस के दिन ही छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था और उन्होंने हिंदू साम्राज्य दिवस की स्थापना की थी। नगर संघचालक ने शिवाजी के जीवन की एक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि एक बार बाल शिवाजी की माता जीजाबाई मंदिर में पूजा करने जा रही थी, उसी समय कुछ मुस्लिम आक्रांताओं ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। पूजा न कर पर पाने से दुखी उनकी माता जी व पिता जी कुछ न कह सके। इससे दुखी होकर उन्होंने अपने पुत्र शिवाजी द्वारा एक ऐसे साम्राज्य की स्थापना का संकल्प लिया जहाँ हिन्दुओं के साथ कोई दुर्व्यवहार न हो सके. वीरता और राष्ट्रभक्ति के गुण शिवाजी में बचपन से ही थे पर उनकी माँ जीजाबाई ने इन गुणों को और भी संवारा। वे बाल शिवाजी को रामायण, महाभारत सहित पुराणों आदि की कहानियां सुनाती जिससे शिवाजी में वीरता, राष्ट्रप्रेम और धर्मपरायणता के गुण और भी पुष्ट हुए। जीजाबाई की शिक्षा का उन पर ऐसा असर पड़ा कि मात्र 16 साल कि अवस्था में ही उन्होंने अपनी सेना का गठन करके पुणे का तोरल नाम का दुर्ग जीत लिया। जल्दी ही उन्होंने अपनी विशिष्ट छापामार युद्धनीति से कई दुर्गों पर विजय प्राप्त कर ली।

उन्होंने आगे कहा कि अगर हम छत्रपति

शिवाजी महाराज के कालखंड को देखेंगे तो पाएंगे कि यह विजय केवल शिवाजी महाराज की विजय नहीं थी। अपितु हिंदू अस्मिता के लिये संघर्ष करने वालों की विजय थी। शिवाजी के प्रयत्नों से तात्कालिक हिंदू समाज के मन में विश्वास के भाव का निर्माण हुआ। समाज को आभास हुआ कि पुनः इस राष्ट्र को सांस्कृतिक रूप से सम्पन्न बनाते हुए सर्वांगीण उन्नति के पथ पर अग्रसर कर सकते हैं। छत्रपति शिवाती महाराज अपितु संपूर्ण भारत के जन- जन के नायक बन गये। वह ऐसे महान शासक थे जो देश की वास्तविक चेतना का प्रतिनिधित्व करते थे। छत्रपति शिवाजी मुगल शासन में व्याप्त अथाह भ्रष्टाचार से पूरी तरह परिचित थे अतः उन्होंने ने एक ऐसा शासन तंत्र विकसित किया जो पूरी तरह से भ्रष्टाचार से मुक्त और उस समय के लिए एक आदर्श शासन व्यवस्था का उदाहरण बना। शिवाजी महाराज मनोवैज्ञानिक कौशल में अत्यंत निपुण थे जिसके कारण अनेक युद्धों में वे सीमित संसाधनों में भी विजय प्राप्त कर सके। छापामार युद्ध शैली में उनकी सेना अत्यंत निपुण थी जिसके कारण औरंगजेब को अनेकानेक युद्धों में पराजय का मुंह देखना पड़ा था। छत्रपति शिवाजी महाराज ब्राह्मणों, गायों और मंदिरों की रक्षा को अपनी राज्यनीति का लक्ष्य घोषित किया था। छत्रपति शिवाजी सदा स्वराज की स्थापना के लिए लड़े । उनका अपने सैनिकों को स्पष्ट आदेश था कि भारत के लिए युद्ध करें किसी राजा या राज्य विशेष के लिए नहीं। शिवाजी की रणनीति अद्वितीय थी और उनके कुशल गुप्तचरों का जाल पूरे भारत में फैला हुआ था। शिवाजी के शासनकाल में व युद्धों के दौरान महिलाओं का विशिष्ट सम्मान रखा जाता था। आज हिंदू साम्राज्य दिवस का यह दिन हमको राष्ट्रवाद, देशभक्ति, नेतृत्व, साहस, एकता और संगठित रहने का संदेश देता है तथा अपने धर्म, संस्कृति, स्वाभिमान के प्रति सम्मान के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह नगर कार्यवाह राजवर्धन, विभाग संघचालक शिवस्वरूप, जिला महाविद्यालयन प्रमुख विनय प्रताप सहित सैकड़ों की संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

रास्ते पर भरा नालियों का पानी, राहगीरों को भारी परेशानी

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां (सीतापुर)। देखिए यह कोई छोटा मोटा सरोवर नहीं है बल्कि लाखों की आबादी को जोड़ने वाला प्रमुख पेंटेड मार्ग है जो वर्षों से इसी हालत? में पड़ा हुआ है। आसपास के लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।मामला विकास खण्ड सकरन की ग्राम पंचायत बसहिया कोठार के बसहिया गांव का जहां पुत्ती लाल के घर के पास से दुजई के घर के सामने काफी दूरी तक गांव के घरों की नालियों से निकलने वाला गंदा बदबूदार पानी भरा हुआ है। इसका मुख्य कारण पानी की सही निकास न होना और सड़क का लेबल बहुत नीचा होना है। रास्ते के किनारे बहुत समय पहले ग्राम पंचायत द्वारा आधी अधूरी नाली बनायी गयी थी जो आज भी यत्र तत्र बनी हुई हैं। नालियां काफी ऊंची होने और सड़क का लेबल बहुत नीचा होने से वह बेकार पड़ी थीं जिन्हें आसपास के रहने वालों ने मिट्टी से पाट दिया। इतना ही नहीं जगह जगह नालियों का पानी निकालने के लिए उन्हें तोड़ भी दिया है जिससे पानी मुख्य पेंटेड रास्ते पर भरा हुआ है। इस कारण से मार्ग पर होकर प्रतिदिन निकलने वाले सैकड़ों राहगीरों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

बहराइच- सीतापुर मुख्य मार्ग पर रेउसा थाना अन्तर्गत मंगू चौराहा से एक पेंटेड मार्ग बसहिया गांव होते हुए निघतिया, सीताराम पुरवा, कोठार, सोहलिया, इस्माइलपुर, कुंडी, धनवा, ओरी पुरवा, अहरोरी बाजार व भैंसहा आदि दर्जनों गांवों तक जाता है। जिससे इस रास्ते पर दिन रात राहगीरों का आवागमन बना रहता है।

दर्जनों गांवों की लाखों की आबादी इस खराब मार्ग से प्रभावित है। कई बार राहगीर इस कीचड़ और गंदे पानी में गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं बावजूद इसके कोई भी जिम्मेदार की दृष्टि आज तक इस ओर नहीं गई। जबकि मात्र 100-150 मीटर की दूरी पर ही गांव के किनारे तालाब है जिसमें यह नालियों का गंदा पानी ले जाया जा सकता है।इस भयंकर गर्मी में इस गंदे पानी से गांव में महामारी फैलने की आशंका बनी हुई है। इस संबंध में प्रधान प्रतिनिधि मोहित कुमार मौर्य ने बताया कि बसहिया गांव में इंटरलॉकिंग लगाकर सारी नालियां सही करा दी गई हैं तथा इन नालियों का पानी जिन नालियों में होकर जाता था उन नालियों को आसपास के लोगों ने पाट दिया है। जिससे नालियों का पानी रास्ते पर भर रहा है। निर्माण सामग्री गांव पहुंच चुकी है। मैं जल्द ही इन बंद पड़ी नालियों को खुलवाकर इनकी मरम्मत कराकर शीघ्र से शीघ्र इस पानी की निकासी की व्यवस्था कराऊंगा। इस बारे में खण्ड विकास अधिकारी सकरन श्रीश कुमार गुप्ता ने बताया कि आपसे जानकारी हुई है। मैं तुरन्त दिखवाकर सही कराता हूं।

उत्तर प्रदेश उधोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल कंछल गुट के प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल ने व्यापारियों से किया संवाद

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई सण्डीला नगर डाक बंगले में उत्तर प्रदेश उधोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के वरिष्ठ प्रदेश मंत्री व जिलाध्यक्ष प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल का हुआ स्वागत स्वागत उपरांत सण्डीला नगर के व्यापारियों से संवाद करते हुए व्यापारियों की समस्याओं पर चर्चा कि उत्तर प्रदेश उधोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल सण्डीला के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष को दिया ज्ञापन दिया जिसमें शहर के रेलवे क्रासिंग को अण्डर पास मार्ग बनवाने , सण्डीला नगर में भाई पास , वाहन पार्किंग स्थान, ट्रेनों के ठहराव की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा।

कंछल ने व्यापारीयों को सम्बोधित करते हुए बाताया कि व्यापारी इस देश का अभिन्न अंग है बिना व्यापारियों के देश , समाज अधूरा है व्यापारियों के द्वारा इस बार 2 लाख करोड़ की जीएसटी भरी है जो की देश के विकास हेतु महत्त्वपूर्ण योगदान है। व्यापारियों के योग दान को देखते हुए भारत सरकार से मांग कि जा रही है की हर स्टेशन से हर स्टेशन पर व्यापारियों को 5 सीट का आरक्षण दिया जाये, राज्य सभा व विधान परिषद में सदस्य हेतु 5 सीट आरक्षित किया जाये जिससे व्यापारियों की समस्याओं को सदन में दमदारी से उठाया

जा सकता है इसी अवसर पर वरिष्ठ प्रदेश मंत्री प्रदीप जायसवाल ने प्रदेश अध्यक्ष से मांग की त्योहारों पर सैंपलिंग न कि जाये त्योहारों में व्यापारियों को परेशानी होती है प्रदेश अध्यक्ष ने बताया की इस विषय पर उत्तर प्रदेश सरकार से मांग कि जायेगी त्योहारों के 15 दिन पूर्व तक सैंपलिंग न कि जाये। उत्तर प्रदेश व्यापार मण्डल सण्डीला नगर अध्यक्ष मुकेश गुप्ता ने प्रदेश अध्यक्ष से मांग की सण्डीला नगर व्यापारियों के प्रतिष्ठान पर खड़े वाहनों का चालान हो जाता है जिससे निजात दिलाने के लिए नगर पालिका सण्डीला में वाहन पार्किंग निर्माण की मांग की, युवा अध्यक्ष रितेश मेहरोत्रा ने प्रदेश अध्यक्ष से मांग की भारत सरकार के द्वारा सण्डीला रेलवे स्टेशन पर लखनऊ जाने के लिए सुबह 8 बजे के बाद कोई ट्रेन नहीं है व्यापारियों के आवागमन की समस्या होती है नयी ट्रेनो की ठहराव की मांग की प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने आश्वासन दिया सण्डीला के व्यापारियों की समस्याओं को उत्तर प्रदेश सरकार व केंद्र सरकार के समक्ष दमदारी से निस्तारण कराया जायेगा। इस अवसर पर जिला महामंत्री महेन्द्र कुमार गुप्ता शाह कैनह्यालाल, नगर अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, युवा नगर अध्यक्ष रितेश मेहरोत्रा, उमाशंकर गुप्ता, विपिन गुप्ता, नीरज गुप्ता, गौरव मेहरोत्रा, गोविन्द राठौर, प्रदीप जायसवाल, अतुल जायसवाल, अनुज तिवारी, ओम नाथ गुप्ता, संकल्प गुप्ता, रजनीश गुप्ता, विकास गुप्ता, राजेश गुप्ता,नितीश जायसवाल,अमित कुमार शर्मा, अर्पित गुप्ता,ऋषभ खन्ना, राम सिंह, सुमित गुप्ता, सहित अन्य व्यापारी भाई बन्धु उपस्थित रहे।

कृषक गोष्ठी का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई. उपनिदेशक कृषि ने बताया है कि विकास खण्ड बेहन्दर के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरुकता कार्यक्रम, सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) तथा त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम योजनान्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि रामपाल वर्मा जी, मा0 विधायक, बालामऊ द्वारा दीज प्रज्जवलन करके एवं कृषक रेखा दीक्षित, नीतू, रामकली, सतीश को निःशुल्क उर्द बीज मिनीकिट एवं रामश्री, चन्द्रकुमारी, सरोजनी, निर्मला को निःशुल्क मूंग बीज मिनीकिट तथा जीत बहादुर, रामजीवन को पी0एम0 सम्मान निधि प्रशस्ति पत्र एवं कैलाश पुत्र राधेश्याम को रोटावेटर अनुदान प्राप्ति का प्रमाण पत्र वितरित करते हुये किया गया। मुख्य अतिथि रामपाल वर्मा जी, मा0 विधायक, बालामऊ द्वारा उक्त मौके पर कृषकों को सम्बोधित करते हुये कहा गया कि प्रदेश सरकार कृषकों की आय दोगनी करने हेतु प्रतिबद्ध है। कृषक भाई कृषि एवं अन्य सम्बद्ध विभागों से नवीन कृषि तकनीकी जानकारी प्राप्त कर अपनी लागत कम करते हुये उत्पादन एवं आय बढ़ा सकते हैं। उक्त कार्यक्रम में विनीत कुमार, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी द्वारा कृषकों को श्री अन्न (मिलेट्स) की बुवाई के बारे

में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा कृषकों को श्री अन्न की फसलों में लगने वाले रोग एवं कीट तथा उनकी प्राकृतिक/जैविक विधि से नियंत्रण के बारे में जानकारी दी गयी। डा0 दिनेश कुमार मौर्य, पशु चिकित्सा अधिकारी ने कृषकों को बताया कि श्री अन्न पशु चारा, खाद्य, ईंधन, दवाईया एवं अन्य मूल्य संवर्धित उत्पादों के रुप में उपयोग किया जाता है। जयराम सिंह, से0नि0 उप परियोजना निदेशक, आत्मा द्वारा कृषकों को धान, मक्का, अरहर, मूंग आदि की खेती हेतु बीज, उर्वरक, कीटनाशक, सिंचाई जल आदि कृषि निवेशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों ने किसानों को धान, मक्का, बाजरा, अरहर, मूंग आदि खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों, उनकी बुवाई की विधियों, जल प्रबंधन एवं जैविक खेती के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गयी। उक्त कार्यक्रम में कृषि विभाग के समस्त कर्मचारी एवं काफी संख्या में कृषक भाई उपस्थित रहे। अतः कार्यक्रम के अन्त में उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी, सदर, हरदोई द्वारा आये हुये किसानों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कार्यक्रम का समापन किया गया।

उक्त के अतिरिक्त विकासखण्ड सण्डीला के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में भी कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरुकता कार्यक्रम तथा त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम योजनान्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अमित गुप्ता, मा0 ब्लाक प्रमुख सण्डीला द्वारा दीप प्रज्जवलन करके किया गया तथा 17 कृषकों को बाजरा मिनीकिट वितरित की गई। उक्त कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने के लिये प्रोत्साहित किया गया कर्मचारियों द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजनाओं की जानकारी भी दी गई। उक्त कार्यक्रम के मौके पर कृषि विभाग के समस्त कर्मचारियों सहित भारी संख्या में कृषक भाई उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सिद्धार्थनगर में बड़े भाई ने छोटे भाई और भतीजे पर चलाई गोली

सिद्धार्थनगर। जिले के जोगिया कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कटहना में दो भाइयों के बीच परिवारिक विवाद को लेकर सोमवार को बड़े भाई ने अपने सगे छोटे भाई व भतीजे पर लाइसेंसी रिवाल्वर से दो राउंड गोली चलाई हालांकि गोली दोनों को छू कर निकल गई। सोमवार को विजय कुमार गुप्ता ने अपने भाई दिलीप कुमार गुप्ता व भतीजे सुरज कुमार गुप्ता पर दिन दहाड़े अपने लाइसेंस से रिवॉल्वर से गोली चला दी। मिली जानकारी के अनुसार विजय कुमार गुप्ता व दिलीप कुमार गुप्ता के बीच जमीनी विवाद चल रहा है सोमवार को घर के बगल दिलीप कुमार गुप्ता नल के पास फर्श बनवा रहा था की इसी बीच दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया इतना में ही विजय कुमार गुप्ता ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से भाई और भतीजे पर गोली चला दी। लेकिन गोली दोनों को छू कर निकल गई , जिससे बाप और बेटा दोनों सुरक्षित हैं। इस संबध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार मिश्रा का कहना है कि तहरीर मिली है जिसमें धारा 109,337, 352, 324/04/351/03 दर्ज कर आरोपी विजय कुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नदी में डूबने से बालक की मौत

सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के ग्राम रोहूडीला निवासी 11बर्षीय बालक की नदी में डूबने से मौत हो गई। मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया। रोहूडिला गांव के मुश्ताक का लड़का दानिस उम्र 11बर्ष जो सोमवार की सुबह गांव के पास स्थित कूड़ा नदी में गांव के कुछ बच्चों के साथ कूड़ा नदी में नहाने गया था नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया जिससे डूबकर उसकी मौत हो गई। घर वालों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से लगभग चार घंटे के बाद शव को पानी से बाहर निकाला गया। इस संबध में थानाध्यक्ष रोहित कुमार उपाध्याय ने बताया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया, लेकिन परिवरीजन लाश का पोस्टमार्टम नहीं करना चाहते थे इसलिए पंचनामा भरवाकर शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

वंशीवट में श्रद्धालु के लापता हुआ बेटे का शव मिला

कुंड में मासूम की लाश देखकर कांप गए घरवाले

मथुरा। जनपद के थाना मांट क्षेत्र के अंतर्गत वंशीवट में घूमने आए छत्तीसगढ़ के रायपुर के रहने वाले श्रद्धालु का बेटा बीती शाम को लापता हो गया था। उसका शव वंशीवट में स्थित कुंड में मिला है। शव को कब्ज़ में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी विनय कुमार श्रीवास्तव परिवार के सात लोगों के साथ कई दिन पहले ब्रज दर्शनों के लिए आए थे। रविवार को वह अपने परिवार के साथ मांट के निकट स्थित वंशीवट में दर्शन करने के लिए आए और देर शाम तक साधु संतों की कुटिया के दर्शन किए और बाद में गाड़ी से चल दिए। कुछ दूर जाने के बाद पता चला कि उनका पांच वर्षीय बेटा शौर्य उनके साथ नहीं है। लौटकर वंशीवट में उसकी तलाश की लेकिन कहीं उसका पता न चल सका। मामले की जानकारी मांट पुलिस को दी गई। पुलिस ने भी बच्चे की तलाश शुरू कर दी। शौर्य का पता नहीं चल सका। सोमवार सुबह उसका शव वंशीवट में स्थित श्याम तलैया कुंड में उतराता हुआ मिला है। मांट थाना प्रभारी निरीक्षक जसबीर सिंह ने बताया कि शव को कुंड से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद परिवार के रो-रोकर बुरा हाल है।

द्वारकाधीश के ज्येष्ठाभिषेक के दर्शन 11 को

मथुरा। पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा 11 जून को ठाकुर द्वारिकाधीश जी महाराज का जलाभिषेक होगा। इस जेष्ठ स्नान तैयारी के लिए कल 10 जून को सांय 5.40 बजे के बाद मंदिर के मुखिया अपने सभी साथी मुखिया व अपरस के सभी लोगों के साथ यमुना जी का जल लेने जाएंगे। उस जल को एकत्रित करने के बाद बुधवार को पूर्णिमा के दिन ठाकुर जी का ज्येष्ठाभिषेक होगा। जिस वजह से मंगला के दर्शन में परिवर्तन किया गया है। उन्होंने बताया कि 11 जून को मंगला प्रातः 6 से 6.15 बजे तक होगी। ज्येष्ठाभिषेक के विशेष दर्शन 6.30 बजे प्रातः होंगे। बाकी सभी दर्शन नियमित रूप से होंगे उनमें कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। उन्होंने समस्त धर्म प्रेमी जनता से अनुरोध किया है कि जेष्ठाभिषेक के दर्शन कर पुण्य के भागी बने।

नई कॉलोनी के नाम पर खेतों में रातों रात खिंच जाती हैं विद्युत लाइन

● एमवीडीए ऐसी तमाम कॉलोनियों को अवैध बता कर ध्वस्त कर चुका है

लोगों को मानक पूरे होने का आभास कराने के लिए काम आती है विद्युत लाइन

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। एक आम आदमी को कनेक्शन लेने, मीटर बदलवाने या कोई दूसरा काम विभाग से कराने में चप्पल घिस जाती हैं, वहीं कॉलोनी के नाम पर काटे जाने वाले भूखंडों में सबसे पहले विद्युत सुविधा पहुंचती है। विद्युत खम्भे गढ जाते हैं और तार भी खिंच जाते हैं। मानों विभाग को नए भूखण्डों पर आवासीय परिसर बनने की उत्सुकता सबसे ज्यादा हो। लोग हैरान है कि नई कॉलोनी के नाम पर रातों रात खेतों में विद्युत लाइन कैसे खिंच जाती हैं। इस तरह की तमाम कॉलोनियों को एमवीडीए अवैध बता कर ध्वस्त कर चुका है। लोगों को मानकपूरे होने का आभास कराने में यह विद्युत पोलों पर खिंचे तार मददगार साबित हाते हैं। हालांकि अब इस तरह के मामले भी सामने आ रहे हैं कि इस विद्युतीकरण का विभाग के पास कोई लेखा जोखा नहीं हैं। यानी खम्भे कहां से आए, तार किसने खींचे इस सब का विभाग के पास कोई रिकार्ड नहीं है। कोसीकला के आसपस बिना परममीशन के कोलोनाईजरो के द्वारा बनायी जा रही कालौनी मे लगने वाल विधुत पोल और विधुत तार विभागीय अधिकारियो और कर्मचारियो की मिलीभगत के चलते ना कुछ पैसो मे लगाये जा रहे है जिस कारण विभाग को राजस्व मे क्ाि क्षति पहुच रही है और अधिकारियो एंव कर्मचारियो की बल्ले बल्ले हो रही है। उक्त शिकायत को लेकर व्यापारी संगठन ने उच्चाधिकारियो को शिकायत कर जाच कराने की मांग की है और पाये जाने वाले दोषियो के खिलाफ कार्यवाही की बात कही है। कोसीकलां के आसपास के क्षेत्र शाहपुर रोड शेरगढ रोड बठैनरोड आदि जगहो पर पर कोलोनाईजारो के द्वारा भूखण्ड काटे गये है कोलोनाईजरो के द्वारा ग्राहको को लुभाने के लिये विधुत विभाग के पोल और

विधुत तार भी लगाये गये है। ऐसा नही कि अभी भूखण्डो को समस्त ब्रिकी हो गयी हो होनी भी शेष है। व्यापारी संजय गर्ग न बताया कि बिना विधुत विभाग मे पैसा जमा कराये आखिर कोलोनाईजरो के पास इतनी भारी संख्या मे विधुत पोल और विधुत तार कहा से आ रहे है कही विभाग की रिवीप योजना को तो पलीता नही लगाया जा रहा है कोसीकलां मे आने वाली योजनो के नाम के सामान को कोलोनाईजरो की अविकसित कालौनी मे लगाया जा रहा है। बाबत इसके जानकारी की गयी तो गोलमाल निकला और शिकायत विभाग के उच्चाधिकारियो सहित मुख्यमंत्री से पत्र भेजकर की है।

आई टी सी चौपाल सागर गोण्डा में मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

● उपहार पाकर छात्रों संघ खिले अभिभावको के चेहरे।

स्वतंत्र प्रभात

गोण्डा। सोमवार को हाई स्कूल, और इंटर मीडिएट में अच्छे अंक लाने वाले क्षात्रों को चौपाल सागर गोण्डा में बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ सब इंस्पेक्टर बी एन सिंह, सब इंस्पेक्टर उमाशंकर उपाध्याय, के द्वारा सभी मेधावी छात्र छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। उपहार पाकर छात्रों संघ उनके अभिभावक लोगो के चेहरे खिले हुए थे। हब इंचार्ज विनय कुमार त्रिपाठी के द्वारा सभी लोगों को जल पान कराया गया, और शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि हर उस छात्र छात्राओं को सम्मानित करने का कार्य चौपाल सागर गोण्डा में किया जाएगा जो सर्वाधिक अंक लाने का प्रयास करेगा। इस स्वर्णिम कार्यक्रम में उपस्थित स्टोर इंचार्ज अमित खरे, जय दीप पाठक, ऋषि शुक्ला प्रवक्ता राजकीय विद्यालय, हेड कॉन्स्टेबल अशोक प्रजापति समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

ट्रेन से गिरकर अज्ञात युवक की मौत

सिद्धार्थनगर। गोरखपुर- बढ़नी गोंडा रेल प्रखण्ड के सिद्धार्थनगर- चिल्हिया रेल लाइन पर सेमरियांव गावं समपार फाटक के पास सोमवार की दोपहर बढ़नी से गोरखपुर जा रही पैसेंजर ट्रेन से गिरकर एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष है। मृतक की पहचान के लिए चिल्हिया थाना पुलिस ने आस-पास के लोगों को बुलाकर पहचान कराया, मगर उसकी पहचान नहीं हो पाई। उसके बाएं हाथ पर अंग्रेजी में वेद प्रकाश यादव लिखा हुआ है। वह नीले टी शर्ट व काला रंग का लोअर पहनें हुए था। बताया जा रहा है कि उक्त युवक बोगी में गेट के पास खड़ा होकर सफर कर रहा था अचानक संतुलन बिगड़ने पर ट्रेन से नीचे गिर गया और सिर में गहरा चोट लगने से उसके मौत की आशंका जतायी जा रही है। इस संबध में चिल्हिया थाना प्रभारी रामदेव ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

राधा बल्लभ मंदिर में कॉरिडोर को लेकर हुआ विरोध प्रदर्शन

● बांके बिहारी के सेवायतों ने भी मिलकर जताया विरोध

स्वतंत्र प्रभात

राधा बल्लभ मंदिर में कॉरिडोर को लेकर हुआ विरोध प्रदर्शन।

मथुरा। वृन्दावन के बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर और मंदिर न्यास ट्रस्ट को लेकर प्रदेश सरकार के फैसले के खिलाफ विरोध के सुर तेज़ होते जा रहे है। सोमवार को राधा बल्लभ मंदिर परिसर में राधा बल्लभ मंदिर के सेवायत और बांके बिहारी मंदिर के सेवायतों ने मिलकर सरकार के निर्णय का विरोध किया। सेवायत गोस्वामी ने कहा कि इस अध्यादेश से समाज पीड़ित है क्योंकि इस कॉरिडोर से बृज की समस्त परंपराओं का नाश हो जाएगा सेवा पद्धति के साथ साथ ब्रज की कुंज गलियों पर भी प्रभाव पड़ेगा। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षा है कि बगैर कॉरिडोर के सरकार विकास नहीं कर सकती, आगे गोस्वामी ने कहा की विनाश कर किसी भवन का निर्माण किया जाए, यह न्यायोचित नहीं है। वृंदावन धाम में हर घर में मंदिर स्थापित है। अभी सरकार सिर्फ पांच एकड़ की बात कर रही है जब राधा वल्लभ मंदिर के भी जद में आने पर यह आंकड़ा बढ़कर सात एकड़ हो जाएगा। वृंदावन में सभी मंदिर यमुना किनारे बसे हुए है पहले आपदा स्थानीयों पर आएगी और अब मंदिर मठ पर आ रही है। इसके साथ ही सभी बृजवासियों कि मांग है कि जिस तरह तिरुपति में प्रतिदिन अट्ठासी हजार लोग दर्शन करते है उसी तरह बांके बिहारी मंदिर की व्यवस्था की रूपरेखा तैयार की जाए। परन्तु प्रशासन लाखों की भीड़ मंदिर में प्रवेश कराती है और इनकी मानसिकता है कि मंदिर में कोई हादसा घटित हो और आरोप गोस्वामी समाज पड़े और इल्जाम समाज पर डाल दिया जाए। ठाकुर जी सरकार को सद्बुद्धि दे कि मंदिर को विखंडित न करे।राधा बल्लभ मंदिर के सूरज गोस्वामी ने कहा कि सभी कॉरिडोर और अध्यादेश का विरोध कर रहे है, क्योंकि वृंदावन का प्राचीन स्वरूप वृंदावन की कुंज गलियों, लता पता से है। पांच एकड़ में आने वाली सभी कुंज गलियों का ध्वस्तीकरण किया जा रहा है। आने वाले समय में अगली पीढ़ी को हम अपनी धरोहर के बारे क्या जानकारी दे पाएंगे। विरोध प्रदर्शन मे चंचल गोस्वामी, सूरज गोस्वामी, निमिष गोस्वामी, संजीव, पीयूष गोस्वामी, देव गोस्वामी, दीपक पाराशर, विवेक, श्याम सुन्दर, संजय, आशीष, आदि मौजूद थे।

गोस्वामी समाज की महिलाओं ने मौन रख कॉरिडोर का जताया विरोध

मथुरा। वृंदावन के सुप्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर और अध्यादेश को मंदिर से जुडे गोस्वामी समाज का विरोध जारी है। जबकि लगातार विरोध कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकाीर और जनप्रतिनिधि कई दौर की वार्ता कर आशंकाओं का समाधान करने का प्रयास कर चुके हैं। सोमवार को भीषण गर्मी में भी गोस्वामी समाज की महिलाओं ने बांके बिहारी मंदिर के गेट नंबर एक पर एकत्रित होकर मौन व्रत रख विरोध प्रकट किया। कई दिनों से विरोध में नारेबाजी की जा रही थी मगर आज गोस्वामी समाज की महिलाओं ने मौन धारण कर अपना दुख प्रकट किया। बांके बिहारी मंदिर पर अलग-अलग तरीके से नित्य प्रतिदिन विरोध के स्वर तेज हो रहे हैं एक तरफ जहाँ कॉरिडोर का विरोध देखा जा रहा वही दूसरी तरफ सरकारी मुलाजिम मकान

वृंदावन के सुप्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर और अध्यादेश का मौन विरोध करतीं गोस्वामी समाज की महिलाएं।

दुकान का सर्वे करने में जुटे हुए दिखाई दे रहे हैं। मौन धारण कर विरोध प्रकट कर रही महिलाओं में रीना, कीर्ति शर्मा, मान्या, श्यामा गोस्वामी, रेनू गोस्वामी, मनोरमा गोस्वामी, संतोष गोस्वामी, सुनीता गोस्वामी, निर्मला गोस्वामी, मनीषा गोस्वामी, पूजा गोस्वामी शामिल रही।

अल्पसंख्यकों पर हमलों के विरोध में निकाली रैली

मथुरा। राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा एवं भारत मुक्ति मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में रैली का आयोजन किया गया। यह रैली देश भर में ईसाई समुदाय पर हो रहे अत्याचार, चर्चों पर हमलों और धार्मिक भेदभाव के आरोपों के विरोध में राष्ट्रव्यापी आंदोलन का हिस्सा थी। रैली अंबेडकर भवन, डीग गेट से प्रारंभ होकर भरतपुर गेट, होली गेट, विकास बाजार, क्वालिटी तिराहा, डैंपियर नगर होते हुए शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर जाकर सम्पन्न हुई। रैली के दौरान प्रदर्शनकारी ईसाइयों पर अत्याचार बंद करो, चर्चों पर हमले बंद करो, जातिगत जनगणना कराओ, और ईवीएम हटाओ, लोकतंत्र बचाओ जैसे नारे लगाते हुए आगे बढे। रैली का नेतृत्व छत्रपाल सिंह निषाद ने किया। कार्यक्रम में बहुजन मुक्ति पार्टी, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा और डॉ. आंबेडकर सामाजिक अधिकार मंच के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण सहभागिता रही।

भीषण गर्मी में छह घण्टे बन्द रहे सब स्टेशन से तीन फीडर

मथुरा। कोसीकलां में नन्दगांव रोड स्थित विधुत सब स्टेशन से सोमवार की सुबह छह घण्टे विधुत न आने के कारण के उपभोक्ता गर्मी के कारण तिलमिला गये। सब स्टेशन पर फोन कर जानकारी मांगते हुये नजर आये लेकिन जिम्मेदारो से कोई भी जानकारी नही दी जिससे आक्रोश पनप गया। पनपे आक्रोश को देख आनन फानन मे टूटे तार को जल्द जुडवाकर फीडरो को सुचारू कराया गया। न्नदगांव रोड स्थित बाईपास पुल के नीचे अचानक 11000 वोल्ट का विधुत तार सोमवार की सुबह 4 बजे टूट गया। विधुत तार टूटने के कारण कोसी रेस्टोंरेन्अ एक कोसी रेस्टोरेन्ट दो और गोपाल फीडर की विधुत सप्लाई ठप्प हो गयी। गर्मी के कारण उपभोक्ता तिलमिला गये और उन्होने शिकायत नन्दगांव रोड स्थित विध्सुत सब स्टेशन पर की। शिकायत का कोई संज्ञान नही लिया गया और कई धण्टे व्यतीत हो जाने के बाद भी विधुत आपूर्ति सुचारू नही हो सकी। कोई लाईनमैन विधुत तार को सही करने के लिये मौके पर नही पहुचा कई वाहन तार के पास से गुजरते हुये दिखायी दिये लोगो ने विधुत ससाई को बाधित करने के लिये फोन भी किया लेकिन नही रिसीव हुआ। आक्रोशित उपभोक्ताओ ने उच्चाधिकारियो से संपर्क साधा उच्चाधिकारियो ने मामले की गंभीरता को देख जेई की क्लाश लगा डाली आनन फानन मे विधुत सप्लाई को बन्द कर लाईनमैन को भेज विधुत तार को जोडा गया गया तब कही जाकर आपूर्ति सुचारू हो सकी। लोगो का कहना है कि विभागीय अधिकारी उपभोक्ताओ को परेशान करने की नीयत से समय पर शिकायतो का समाधान नही करा रहे है।

छबील लगाना सनातन धर्म में पुण्य का काम है -सिद्धांत तिवारी

नई दिल्ली हनुमान मंदिर घंटाघर पर राधा रसोई के सेवको ने आपसी सहयोग से घंटाघर चौराहे पर मीठे ठंडा दूध की छवि एवं ताहरी रहा चलते लोगों को बाटा। इस अवसर पर सभी लोगों ने मिलकर छबील पर अपनी सेवाएं दी। सबसे पहले हनुमान मंदिर में हनुमान जी का भोग लगाया उसके बाद प्रसाद के रूप में ठंडा दूध एवं ताहरी का वितरण किया गया। इस मौके पर श्री राधा रसोई के संस्थापक सिद्धांत तिवारी ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में छविल लगाकर लोगों को शीतल जल या दूध पिलाना सनातन धर्म में पुण्य का कार्य बताया जाता है यही कारण है कि इस ज्येष्ट माह के पूरे महीने में जगह-जगह मीठे पानी एवं ठंडे दूध की छवि लगाई जाती है। इस प्रकार के छोटे-छोटे प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाते हैं। इस मौके पर अंजू शर्मा, विकास शर्मा, सिद्धांत तिवारी, दीपक गर्ग, पारस मिनोचा, कपिल गोयल, महेंद्र शर्मा, रितिका,अभिलाषा, पीहू आदि लोगों ने बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया।

अंबेडकर नगर पुलिस थाने के गश्ती दल द्वारा ड्रग तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली: पुलिस द्वारा 3.232 किलोग्राम गांजा बरामद। दक्षिण जिला के अंबेडकर नगर पुलिस थाने के कर्मचारियों ने एक ड्रग तस्कर आरिफ को एफआईआर संख्या 251/25 तहत दिनांक 09/06/2025, यू/एस 20 एनडीपीएस एक्ट, थाना अंबेडकर नगर ने गिरफ्तार करके सराहनीय कार्य किया है। आरोपी के कब्जे से 3.232 किलोग्राम गांजा युक्त एक प्लास्टिक बैग बरामद किया गया। गश्त और कार्रवाई दिनांक08/06/2025 को, ए.एस.आई. पंकज राजोरा, एच.सी. संजीव और सिपाही हरकेश सहित थाना अंबेडकर नगर का स्टाफ एस.एच.ओ./अंबेडकर नगर के नेतृत्व में ए.सी.पी./सी.आर. पार्क के समग्र पर्यवेक्षण में अपराध की रोकथाम और पता लगाने के लिए क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। गश्त के दौरान जब वे लक्ष्मी नारायण मंदिर, शमशान घाट, मदनगीर, दिल्ली के पास पहुंचे, तो उन्होंने एक संदिग्ध व्यक्ति को प्लास्टिक की थैली के साथ बैठे देखा। पुलिस टीम को देखकर, व्यक्ति ने भागने का प्रयास किया, लेकिन सतर्क गश्ती कर्मचारियों द्वारा उसे तुरंत पकड़ लिया गया। उससे उसकी उपस्थिति के बारे में पूछा गया, लेकिन वह इस संबंध में कोई संतोषजनक उत्तर देने में विफल रहा। प्लास्टिक की थैली की जांच करने पर उसके कब्जे से कुल 3.232 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। बाद में, उसकी पहचान आरिफ के रूप में हुई। इस संबंध में, थाना अंबेडकर नगर में एफआईआर संख्या 251/25 दिनांक 09/06/2025, यू/एस 20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। गिरफ्तार आरोपी का परिचय। इस प्रकार है।

आरिफ पुत्र आसिफ उर्फ हासिम निवासी भोगल, दिल्ली। उम्र 30 वर्ष। को गिरफ्तार किया गया आगे की जांच जारी है। इस अच्छे कार्य में शामिल कर्मचारियों को उचित इनाम दिया जा रहा है। यह जानकारी अंकित चौहान आईपीएस पुलिस उपायुक्त दक्षिण जिला, दिल्ली- ने दी।

अखंड नगर में गोली मारकर वकील की हत्या

● फसल की सिंचाई करने गया था, खेत में मिली खून से लथपथ लाशजमीन के विवाद में हत्या की आशंका

पुलिस ने मौके से जुटाए साक्ष्य, एसपी बोले-जल्द होगा वारदात का खुलासा.पुलिस वारदात की जांच कर रही है

स्वतंत्र प्रभात

सुल्तानपुर- फसल की सिंचाई करने गए अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई. अधिवक्ता के घर न लौटने पर परिवार के लोग उनकी तलाश कर रहे थे. खेत में पहुंचे तो वहां वकील का खून से लथपथ शव पड़ा था. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की. हत्या क्यों और किसने की, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है. परिवार की तहरीर पर पुलिस घटना की जांच कर रही है।

पूरी घटना सुल्तानपुर अखंड नगर थाना क्षेत्र के मरूई किशुनदासपुर गांव की है. यहां पर अधिवक्ता महेंद्र कुमार मौर्य (52) परिवार के साथ रहते थे. वह कादीपुर तहसील में वकालत करते थे. रविवार की देर शाम वह घर से खेत में फसल की सिंचाई करने के लिए गए थे. इसके बाद वह रात तक नहीं लौटे. परिजनों ने मोबाइल पर फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई।

अधिवक्ता महेन्द्र, मृतक

इसके बाद परिवार के लोग अधिवक्ता को तलाशते हुए खेत पर पहुंचे. वहां महेंद्र का खून से लथपथ शव पड़ा था. गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। परिजनों ने पुलिस को इसकी सूचना दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की. इस दौरान पुलिस और परिवारीजन के बीच गहमागहमी भी हुई।

मृत गोवंश को जलाने के प्रयास में तीन गिरफ्तार

मथुरा। मृत गोवंश को समाधि देने की बजाय आग लगाने का प्रयास करने के आरोप में तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सात जून को थाना मांट पर तहरीर देकर यह शिकायत दर्ज कराई गयी थी कि जमुना प्रसाद पुत्र बाबूलाल निवासी अस्तलताल थाना माटं ने अपने नौकर देवी प्रसाद पुत्र बसन्त लाल निवासी ग्राम बहोरे थाना भीटी जिला अम्बेडकर नगर व सतेन्द्र पुत्र ओमप्रकाश गांव तिरपत फरीदाबाद के साथ मिल कर सुबह करीब सात से दस बजे के बीच दो दिन पूर्व मृत अवस्था में पडी गाय, जिसमें से बदबू आने लगी थी के ऊपर लकड़ी व झाड़ी डालकर आग लगाकर जलाने का प्रयास किया। तहरीर के आधार पर थाना मांट पर धारा 298 बीएनएस में तीनों आरोपितों के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। पुलिस को तभी से तीनों की तलाश थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद तीनों आरोपितों खुद को छुपाने का प्रयास कर रहे थे। तीनों आरोपितों को सोमवार को प्रातः करीब साढे नौ बजे नसीटी रोड अन्डरपास जय कैला मां ढाबा के पास से गिरफ्तार कर लिया।

कोटवन बार्डर क्रेटा कार में मिली 3.5 लाख की शराब

● तस्कर फरार, शराब और कार को छोड कर भागे तस्कर

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। तस्करी कर लाई जा रही करीब 3.5 लाख रूपये कीमत की अवैध शराब को जब्त किया गया है। हालांकि पुलिस इस दौरान किसी तस्कर को गिरफ्तार नहीं कर सकी। शराब हरियाणा से यूपी में खपाने के लिए लायी जा रही थी। थाना कोसीकलां पुलिस ने 50 पेटी (600 बोतल) चण्डीगढ मार्का अवैध अग्रेजी शराब चौकिंग के दौरान पकडा। जिसकी कुल कीमत लगभग 350000 रूपये है। पुलिस सफेद रंग की क्रेटा कार एचआर 38 वी 2626 को भी कब्जे में लिया है। शराब को इसी कार में छुपा कर लाया गया था। कार पर लगी हुई नम्बर प्लेट भी फर्जी मिली है। थाना कोसीकलां पुलिस टीम ने सोमवार को करीब रात के करीब दो बजे

पकडी गई शराब के साथ पुलिस टीम।

चौकिंग के दौरान चौकी कोटवन बैरियर एनएच 19 से पकडा। बरामदगी के आधार पर थाना कोसीकला पर अभियोग पंजीकृत किया गया है। हालांकि पुलिस शराब तस्करी में किसी अभियुक्त को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार निर्वाल थाना कोसीकलां, एसआई अरविन्द कुमार चौकी प्रभारी कोटवन थाना कोसीकलां, एसआई अवन कुमार थाना कोसीकलां आदि थे।

होटल पर हुए हंगामे की घटना में बाल अपचार सहित तीन गिरफ्तार

● करीब आधा दर्जन लोगों को पुलिस ने किया चिन्हत

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। होटल के सामने पेशाब करने को लेकर शुरू हुए विवाद ने बवाल का रूप ले लिया। फायरिंग और पथराव की घटना में थाना महावन पर होटल संचालक की तरफ से तहरीर दी गई। पुलिस ने एक बाल अपचारी और दो युंवकों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ और जांच के आधार पर पुलिस ने घटना में शामिल रहे कई लोगों को चिन्हित किया गया है। पुलिस इनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। घटना छह जून की है।

गोकुल बैराज के पास श्री जी फैमिली रेस्टोरेन्ट पर होटल के बाहर आकर होटल के सामने पेशाब करने लगा तो होटल कर्मचारी मुरारी ने वहां पेशाब करने से मना किया तो इस बात पर दोनो लडके गुस्सा हो गये तथा कर्मचारी को बहुत बुरी तरह से पीटने लगे तथा पीटकर वहां से चले गये तथा धमकी दी कि अभी आते हैं जब तुम्हे देखगे उसके करीब आधा घण्टे बाद दो मोटर साइकिल पर कुछ लडके आये तथा आते ही फायरिंग शुरु कर दी। जिसका विरोध करने पर गाली गलौज तथा मारपीट एंव जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गये। तहरीर के आधार पर थाना महावन पर सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत किया गया। एक बाल अपचारी के अलावा अभिक्त गौरव पुत्र ऐलम निवासी नेगपुर थाना खन्दौली आगरा उम्र करीब 21 वर्ष, लव उर्फ राजकुमार पुत्र ओमप्रकाश हाल निवासी पूजा नगर कालौनी थाना रिफाइनरी मथुरा मूल निवासी गड़ीमाँ नगला थाना अछनेरा आगरा उम्र करीब 20 वर्ष, अनिल पुत्र प्रेम सिंह निवासी अछनेरा आगरा, मोनू, एक व्यक्ति जिसे जीतू उर्फ आरडीएक्स चाचा बोल रहा था के नाम प्रकाश में आये।

बठैन गेट पर रोज लगाई जाती है कूड़े के ढेर में आग

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। कोसीकलां के बठैन गेट के पास स्थित कूड़े के ढेर में हर रोज आग लगने की घटनाएं हो रही हैं, जिससे आसपास के राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे पिछले कई महीनों से नगर पालिका को शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया है। कूड़े के ढेर से उठने वाला धुआं और जहरीली गैस लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन चुकी है। निवासी कार्तिक चौधरी, धनीराम वर्मा मास्टर जी, गिर्राज चौधरी, अनिल अग्रवाल, राजेंद्र चौधरी, भगवान सिंह और पंकज शर्मा ने बताया कि इस कूड़े के ढेर के कारण उन्हें और उनके परिवार को सांस

बठैन गेट जलता कूडे का ढेर।

संबंधी, त्वचा रोग और आंखों में जलन जैसी गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका द्वारा इस समस्या की अनदेखी की जा रही है, जिससे लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। निवासियों ने मांग की है कि नगर पालिका तत्काल प्रभाव से कूड़े के उचित निस्तारण की व्यवस्था करे और नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, जिससे इलाके के लोग राहत की सांस ले सकें।